

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 95]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 3, 2009/फाल्गुन 12, 1930

No. 95]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 3, 2009/PHALGUNA 12, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

न्यू शिपर समीक्षा अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2009

अंतिम जांच परिणाम

विषय : गुआंगडांग मोनालिसा सिरमिक कम्पनी लि. (उत्पादक) एवं फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लि. (निर्यातक) द्वारा एवाकोर्प, हांगकांग (निर्यातक) के माध्यम से किए गए अनुरोध पर विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइल्स के आकारों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की न्यू शिपर समीक्षा (नियम 22 के अंतर्गत)।

सं. 15/10/2006-डीजीएडी.—यतः 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं उसके अंतर्गत सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए,

प्रक्रिया

निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :—

1. मैसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरमिक कं. लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण., उत्पादक एवं फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कं. लिमिटेड, निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया था और नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने और दिनांक 4-2-2003 की अधिसूचना सं. 37/1/2001 की न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत करने का अनुरोध किया था।
2. आवेदकों ने दावा किया कि वे चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक/उत्पादक से संबंधित नहीं हैं, जिस पर संबंधित उत्पाद के संबंध में पाटनरोधी उपाय लागू किए गए हों। इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने मूल जांच की अवधि के दौरान का निर्यात नहीं किया है। प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की प्रथमदृष्टया जांच की और इसे पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के प्रावधानों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा जांच शुरू करने के औचित्य की दृष्टि से पर्याप्त माना।
3. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत नियम 22 के अंतर्गत गुआंगडांग मोनालिसा सिरमिक कं. लिमिटेड एवं फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कं. लिमिटेड द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर दिनांक 31 जनवरी, 2007 की अधिसूचना सं. 15/10/2006-डीजीएडी द्वारा की थी। जांच शुरुआत अधिसूचना का शुद्धिपत्र दिनांक 22 मार्च, 2007 को जारी किया गया था, जिसमें हांगकांग स्थित निर्यातक एवाकोर्प का नाम शामिल किया गया था।

4. उपर्युक्त न्यू शिपर जांच की शुरुआत चीन जन.गण. तथा यूएई के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आती हैं, के आयातों से संबंधित मामले में की गई थी, जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी दिनांक 04.02.2003 के अंतिम जांच परिणाम सं. 37/1/2001-डीजीएडी द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि :-

- (i) यूएई तथा चीन जन.गण. से विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया जिसकी परिणति पाटन में हुई;
- (ii) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- (iii) क्षति संबद्ध देशों से आयातों के कारण संचयी रूप से हुई ।

5. केन्द्र सरकार ने मूल जांच में यूएई तथा चीन जन.गण. से विट्रीफाइड इण्डस्ट्रियल टाइलों से इतर विट्रीफाइड तथा पोर्सलीन टाइलों, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आती हैं, के आयातों पर दिनांक 1.5.2003 की अधिसूचना सं. 73/2003 - सीमाशुल्क द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया था, जो अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख अर्थात् 2.5.5002 से लागू किया गया था ।

6. प्राधिकारी ने भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के अनुसार और दिनांक 1.5.2003 की अधिसूचना सं. 73/2003 - सीमाशुल्क को ध्यान में रखते हुए शुरु की गई समीक्षा पूर्ण होने तक फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लिमिटेड के माध्यम से एवं एवाकॉर्प, हांगकांग के माध्यम से मेसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरेमिक कं. लिमिटेड द्वारा विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के सभी निर्यातों का अनंतिम आकलन करने की संस्तुति की थी ।

7. निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय के कार्यान्वयन हेतु वित्त मंत्रालय ने दिनांक 9 मार्च, 2007 को अधिसूचना सं. 38/2007-सीमाशुल्क जारी की थी, जिसे दिनांक 30 अप्रैल, 2007 की अधिसूचना सं. 60/2007-सीमाशुल्क द्वारा संशोधित किया गया था, जिसमें अन्य बातों के अलावा यह प्रावधान किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा समीक्षा का परिणाम लम्बित रहने तक फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लिमिटेड के माध्यम से और एवाकॉर्प हांगकांग के माध्यम से मेसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरेमिक कं. लिमिटेड द्वारा विट्रीफाइड इण्डस्ट्रियल टाइलों से इतर विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों, जो सीमाशुल्क अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आती हैं, के सभी आयात समीक्षा पूर्ण होने तक अनंतिम आकलन के अधधीन रहेंगे ।

8. प्राधिकारी ने आवेदक से अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावली एवं बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली की प्रतियां भिजवाई थी। प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सभी प्रकार की सूचना प्राप्त करके उसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने मे. गुआंगडांग मोनालिसा सिरेमिक कं. लिमिटेड फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक), फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) एवं मेसर्स एवाकॉर्प, हांगकांग (निर्यातक) द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन स्रोतों पर जाकर किया।

9. इस न्यू शिपर समीक्षा जांच में पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 फरवरी, 2007 से 31 जुलाई, 2007 अर्थात् 6 माह है।

10. प्राधिकारी ने निर्यातक देशों के प्राधिकारियों को न्यू शिपर समीक्षा जांच से आधिकारिक रूप से अवगत कराया और संबंधित सभी हितबद्ध पक्षकारों को जांच अवधि, अर्थात् 1 फरवरी, 2007 से 31 जुलाई, 2007 की समाप्ति से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।

11. प्राधिकारी ने दिनांक 3 जून, 2008 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। सभी पक्षकारों, जिन्होंने सुनवाई में भाग लिया और अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त किए थे, से अपना निवेदन लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। पक्षकारों को प्रतियादी पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों की प्रतियां प्राप्त करके उनके उत्तर, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।

12. सार्वजनिक सुनवाई के उपरांत घरेलू उद्योग ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की और इन्हें याचिकाकर्ता को प्रदान किया गया।

13. प्राधिकारी द्वारा नियमावली के नियम 6(7) के अनुसरण में एक सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई गई, जिसमें विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत निवेदन का अगोपनीय पाठ रखा गया था।

14. इस अधिसूचना में **** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना प्रदर्शित करता है, जिसे नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी ने गोपनीय माना है। कीमतों तथा लागत से संबंधित सूचना पर संबंधित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता का दावा किया गया था, और प्राधिकारी ने इसे गोपनीय माना।

विचाराधीन उत्पाद

15. मूल जांच तथा निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद “पालिशड अथवा अनपालिशड फिनिश वाली अनग्लेज्ड टाइलें एवं ग्लेज्ड पोर्सलीन/सिरेमिक टाइलें, जिनकी दोनों की जल

अवशोषण क्षमता 3% से कम है (जिन्हें सामान्यतः विट्रीफाइड टाइल्स/पोर्सलीन टाइल्स कहा जात है) (जिन्हें एतद् पश्चात् सम्बद्ध वस्तुएं कहा गया है) हों। ग्लेज्ड तथा अनग्लेज्ड टाइलों का प्रयोग भवनों, मकानों, रेस्तराओं, सिनेमाघरों, विमानपत्तनों, तरणतालों, रेलवे स्टेशनों आदि में किया जाता है। सभी प्रकार की सम्बद्ध वस्तुएं अध्याय शीर्ष 69 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

16. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइल है जो मूल जांच में यथा निर्धारित अर्थात् “विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलें” है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के बारे में कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलें इस नियमावली के अर्थ के भीतर मेसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरैमिक कम्पनी लिमिटेड, फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक), फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. (निर्यातक) तथा मेसर्स एवाकॉर्प, हांगकांग निर्यातक द्वारा निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के “समान वस्तु” हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह अभिमत है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद वही है अर्थात् “विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलें”, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 में वर्गीकृत है, जिन पर मूल जांच में विचार किया गया था।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचार एवं प्राधिकारी द्वारा जांच

17. आवेदकों के विचार

(क) मौखिक सुनवाई के समय आवेदक ने एक पेपर बुक प्रस्तुत की थी। पेपर बुक को कृपया वर्तमान निवेदन के अभिन्न भाग के रूप में शामिल किया जाए। पेपर बुक में प्रदत्त सूचना का हवाला वर्तमान निवेदनों के प्रयोजनार्थ दिया गया है और उस पर विश्वास किया गया है।

(ख) न्यू शिपर समीक्षा में समीक्षा जांच का प्रयोजन सीमित होने के कारण इसमें भारतीय उत्पादकों की भूमिका अत्यंत सीमित होती है। आवेदकों ने इसी की पद्धति का हवाला दिया है, जिसमें प्रकटीकरण विवरण की अवस्था में इसी घरेलू उद्योग को पहला अवसर दिया गया था।

(ग) न्यू शिपर समीक्षा से संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत आवेदकों को अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण की पात्रता है। मूल जांच की अवधि के दौरान आवेदकों अथवा उनकी किसी भी सम्बद्ध कम्पनी ने सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। इस संबंध में आवेदकों द्वारा स्पष्ट घोषणा की गई थी। कम्पनी आवेदक कम्पनियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसकी सभी ग्रुप कम्पनियों को भी शामिल किया गया था।

(घ) याचिकाकर्ता ने पहले यह निवेदन किया था कि उन्होंने मूल जांच की जांच अवधि के दौरान भारत को इस उत्पाद का निर्यात नहीं किया था और न ही आवेदक कंपनियां निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से सम्बद्ध थी, जिन्होंने उक्त अवधि के दौरान निर्यात किया था।

(ङ.) आवेदक को दिनांक 10 मार्च, 2008 को एक पत्र प्राप्त हुआ था, जिसमें यह कहा गया था कि एक शिकायत की गई है कि मेसर्स नानहाई सिटी गुआंगडांग सिरमिक्स कंपनी लिमिटेड (मोनोलिसा) ने हांगकांग स्थित एक व्यापारी के माध्यम से मूल जांच की अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इस मामले की आवेदक कंपनियों ने पुनः जांच की थी और यह पाया कि कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अथवा हांगकांग स्थित व्यापारी के माध्यम से कोई निर्यात नहीं किए गए थे।

(च) आवेदक का मानना है कि प्राधिकारी को जो शिकायत की गई है वह झूठी है और किसी पार्टी द्वारा निहित स्वार्थ /उद्देश्य से की गई है। यह स्पष्ट है कि अनेक पार्टियों के निहित स्वार्थ होते हैं। प्राधिकारी से ऐसी झूठी शिकायतों को नजरअंदाज करने का अनुरोध किया जाता है। वैसे भी आवेदक कोई भी विशिष्ट दस्तावेज, जो निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस संबंध में अपेक्षित हो, उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

(छ) यद्यपि किसी भी पक्षकार द्वारा कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया गया है, तथापि आवेदक का निवेदन है कि माननीय उच्च न्यायालय ने अपने दिनांक 14 मई, 2008 के निर्णय में जांच अवधि के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के दृष्टिकोण को बरकरार रखते हुए इस संबंध में माननीय सेस्टेट के विचारों से असहमति व्यक्त की थी। इसके अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने माननीय सेस्टेट के इस आदेश के विरुद्ध एक एसएलपी दायर की है। उल्लेखनीय है कि अनेक नए न्यू शिपर समीक्षा मामले शुरू किए जाने के बावजूद इस संबंध में एचआरजे द्वारा दिए गए तर्क प्रमाणरहित हैं और तथ्य यह है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पिछली बार छूट दिए जाने के बाद भारत में उल्लेखनीय मात्रा में आयात किया गया है।

18. एच.आर. जॉनसन, एक घरेलू उद्योग के विचार

क. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कतिपय दस्तावेजों के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है और इस बात का कोई कारण नहीं दिया गया है कि जिस सूचना के लिए गोपनीयता का दावा किया गया है और इसकी अनुमति प्रदान की गई है, उसका सारांश प्रस्तुत क्यों नहीं किया जा सकता। आवेदकों ने निम्नलिखित के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है, जिसके कारण घरेलू उद्योग द्वारा समुचित निवेदन नहीं किया जा सका :

- i. सभी अनुबंधों सहित न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत के अनुरोध से संबंधित आवेदन
- ii. संभवतः वर्ष 2006 में प्रस्तुत किए गए विभिन्न पत्र
- iii. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए कोई अन्य पत्र एवं न्यू शिपर से प्राप्त उत्तर, यदि कोई हो।

ख. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को यथासमय यह सूचित नहीं किया था कि एपीजे-एसएलजी हेतु प्राधिकार पत्र रिकार्ड में नहीं है । यदि हमें यथासमय सूचित किया गया होता तो हम उस स्थिति से बच सकते थे जब हमने सुनवाई के दौरान कोई निवेदन प्रस्तुत नहीं किया ।

ग. जांच शुरुआत अधिसूचना में किया गया संशोधन त्रुटिपूर्ण था, क्योंकि संवेदात्मक व्यवस्था का पूर्ण प्रलेखन एवं संबंध की नई घोषणा नहीं की गई थी ।

घ. न्यू शिपर द्वारा जांच शुरुआत अधिसूचना में संशोधन से पूर्व एवं उसके पश्चात किए गए निर्यातों का ब्यौरा नहीं दिया गया है ।

ड. क्या निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा न्यू शिपर द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच करने के लिए आयातकों को प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था एवं क्या सीमा शुल्क विभाग को वास्तव में घोषित कीमतों की जांच के लिए सीमा शुल्क विभाग से आयात आंकड़े मंगाये गये थे ।

च. निर्णायक समीक्षा के लिए जिस जांच अवधि का चयन किया गया वह वर्तमान न्यू शिपर समीक्षा की अवधि से अधिक थी । ऐसी परिस्थिति में अलग-अलग पाटन मार्जिन प्रदान करने से कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं होता, क्योंकि न्यू शिपर नई अलग पाटन मार्जिन का दावा करने के लिए निर्णायक समीक्षा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए बाध्य होता । इस जांच के लिए चुनी गई जांच अवधि को निर्णायक समीक्षा की जांच अवधि में शामिल किया जा सकता था । हम वर्तमान न्यू शिपर को ऐसा विशेष दर्जा प्रदान करने के कारणों को समझ पाने की स्थिति में नहीं हैं ।

छ. न्यू शिपर जांच की शुरुआत हेतु पूर्वापेक्षाओं के बारे में की गई प्रारंभिक घोषणाएं गलत और गुमराह करने वाली थी और प्राधिकारी से वास्तविक सूचना छुपाई गई है जिसका वर्तमान कार्यवाही को जारी रखने पर सीधा असर पड़ता ।

ज. न्यू शिपर्स ने गलत घोषणाएं करके और झूठे रिकार्ड प्रस्तुत करके एवं वास्तविक सूचना को छुपाते हुए यह जांच शुरु कराई है, जिसका वर्तमान मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत पर सीधा असर पड़ता ।

झ. परवर्ती जांच अवधि स्वीकृत किए जाने के कारण वर्तमान जांच शुरुआत नियम 22 के विरुद्ध है और न्यायिक अनुशासन एवं पूर्वोदाहरणों के सिद्धांतों के विरुद्ध है ।

ञ. चीन के न्यू शिपर्स एक समूह के अंतर्गत अन्य नामों से कार्य कर रहे हैं और उन्होंने वर्तमान प्रश्नावली के उत्तर में एक से अधिक फैक्टरी होने की घोषणा की है ।

प्राधिकारी को संबद्ध तथा गैर संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माण प्रचालनों के बारे में मुमराह किया गया है।

ट. हमारी आसूचना तथा चीन से प्राप्त सूचना से यह ज्ञात होता है कि उत्पादक उस नाम के तहत कार्य नहीं कर रहा है, जिसके तहत उसने न्यू शिपर समीक्षा का अनुरोध किया है।

ठ. वेबसाइट के अनुसार उत्पादक ने स्वयं के एक विनिर्माता तथा निर्यातक होने का दावा किया है, जिसकी स्थापना 1992 में हुई थी, जबकि अपने उत्तर में उन्होंने दावा किया है कि उन्होंने कोई निर्यात नहीं किया। स्थापना की तारीख के बारे में कोई घोषणा हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराई गई। नियम 22 तथा नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में उल्लिखित सतों की जांच हेतु संबंधित ब्योरा प्राप्त किया जाए।

ड. हांगकांग के निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर में अपना पता गलत दिया है। हमारे पास विशिष्ट सूचना उपलब्ध है कि इसी परिसर से कोई अन्य कंपनी कार्य कर रही है और इस सत्ता के दूरभाष नं. भी वही है। इस कंपनी के साथ संबंध को प्रकट नहीं किया गया है। यह भी उल्लेख नहीं किया गया है कि वह किस व्यवसाय में संलग्न हैं, क्योंकि प्रश्नावली में प्रस्तुत उत्तर से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनकी भूमिका क्या है और उन्हें प्रतिपूर्ति कौन करता है।

ढ. चूंकि आवेदक प्राधिकारी के समक्ष नेक नीयत से उपस्थित नहीं हुए हैं और निहित स्वार्थ से प्रेरित हैं, अतः इस मामले को इस अवस्था में ही समाप्त किया जाना अपेक्षित है। वह मामले की शुरुआत से पूर्व अपेक्षित पूर्वापेक्षाओं को पूरा करने में भी असफल रहे हैं, क्योंकि नियम 22 के अंतर्गत यथाअपेक्षित घोषणा प्रस्तुत नहीं की गई है।

ण. नियम 22 की शर्तों को पूरा नहीं किया गया है। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष ऐसी कोई सामग्री नहीं थी जिससे वे प्रथमदृष्टया संतुष्ट हो पाते कि न्यू शिपर समीक्षा हेतु पूर्वापेक्षा को विधिवत पूरा किया गया है।

त. न्यू शिपर्स द्वारा प्रस्तुत सामान्य प्रश्नावली के उत्तर अत्यंत अपूर्ण एवं प्रमाणरहित हैं, जिनके कारणों का ब्योरा निम्नानुसार है :-

- प्रश्नावली के उत्तर में निहित सूचना का अनिवार्य प्रमाणीकरण प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है।
- श्रेयधारकों की सूची को बिना कारण बताए गोपनीय रखा गया है।
- उत्पादित वस्तुओं एवं घरेलू बाजार से बेची गई वस्तुओं के बारे में किए गए दावे के संबंध में कोई प्रमाण नहीं दिया गया है।

- उत्पादक ने अपने इस दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि भारत को निर्यातित वस्तुओं और अन्य देशों को निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं है।
- उन्हें ग्रेडवार सूचना उपलब्ध करानी चाहिए थी, जिसके बिना प्राधिकारी द्वारा उचित तुलना नहीं की जा सकती।
- व्यापारिक व्यवस्थाओं के बारे में कोई ब्यौरा प्रकट नहीं किया गया है।
- भारत को किए गए निर्यातों के ब्यौरे का एनसीवी उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- कंपनी द्वारा जारी कैटलॉग एवं विवरण पत्र उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।
- घरेलू बाजार में दोनों निर्यातकों के वितरण के चैनल का कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- किसी भी न्यू शिपर ने घरेलू बाजार तथा भारत को निर्यात के दौरान सौदेबाजी प्रक्रिया का ब्यौरा नहीं दिया है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या हांगकांग केवल एक कमीशन एजेंट है अथवा हांगकांग स्थित सत्ता तथा भारतीय उपभोक्ता के बीच बिक्री की जाती है। वित्तीय प्रवाह भी स्पष्ट नहीं है।
- घरेलू बाजार में की गई बिक्री और भारत को किए गए निर्यात के संबंध में भेजे गए / प्राप्त दस्तावेजों से संबंधित एनसीवी का पूरा सैट उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- कीमत सूची की उपलब्धता से संबंधित प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया है।
- प्रश्नावली में परिशिष्ट 1 एवं 2, 2, 2, 3, 3, 3 एवं 3 उपलब्ध नहीं है।
- इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं दिया गया है कि क्या हांगकांग के निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तुओं की बिक्री हांगकांग में की जाती है।
- खंड ग के अंतर्गत उल्लिखित प्रश्नों के उत्तर भ्रामक हैं।
- निवेशों से संबंधित तालिका के बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है और कोई एनसीवी प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- तुलनपत्र के संबंध में किए गए गोपनीयता के दावे के बारे में कोई कारण प्रकट नहीं किए गए हैं। तुलनपत्र का एनसीवी भी प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- सांविधिक विनियमों के बारे में भी कोई सूचना प्रकट नहीं की गई है।
- यह उल्लेख करके कि हांगकांग स्थित कंपनी चीन के जीएएपी का अनुसरण करती है, निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने की पद्धति का मखौल उड़ाया है।
- व्यापारिक तथा उत्पादक कंपनी के बारे में वही उत्तर दिया गया है जो खंड ड. के प्रश्न 7 में दिया गया है जिसकी परिणति गलत निष्कर्ष में हुई है।
- विनिर्माण प्रक्रिया तथा उत्पादन प्रवाह चार्ट दर्शाने वाले अनुबंध की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई है जबकि इसके बारे में गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है।
- उत्तर के साथ अनुबंध 5, 7, 8, 8, 8 एवं 8 संलग्न नहीं किए गए हैं, हालांकि इनके बारे में गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है।
- कंपनी की निविष्टियों एवं उत्पादन के संबंध में पूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

- व्यापार तथा लाभ एवं हानि खाते एवं तुलनपत्र/वार्षिक रिपोर्टों/निदेशकों की रिपोर्ट के बारे में गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है, परंतु इन्हें संलग्न भी नहीं किया गया है।
- खंड झ का कोई उत्तर नहीं दिया गया है।

थ. उत्पादक द्वारा आवेदन में किए गए उल्लेख के प्रमाणस्वरूप आवेदन करते समय निगमन प्रमाणपत्र तथा व्यापार शुरुआत प्रमाणपत्र को अपने दावे के समर्थन में प्रस्तुत किया जाना चाहिए था।

द. उत्पादक ने यह नहीं बताया है कि क्या उसका संयंत्र नया है अथवा यह एक पुराना संयंत्र है जो उसने किसी उत्पादक से अधिगृहीत किया है जो मूल शुल्क के अधिधीन है। इस तथ्य के मद्देनजर यह अत्यंत आवश्यक है कि न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत केवल नये निर्यातक के लिए की जाए न कि उस निर्यातक के लिए जो मूल जांच में पक्षकार था अथवा जिसने मूल जांच की जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया था अथवा जिस पर मूल शुल्क लगाया गया था। केवल नाम और कानूनी स्थिति में परिवर्तन होने से कोई व्यक्ति न्यू शिपर समीक्षा के लिए पात्र नहीं बन जाता।

घ. हमारा वेब अनुसंधान दर्शाता है कि न्यू शिपर मूल जांच की शुरुआत से पूर्व भी अस्तित्व में था।

न. न्यू शिपर समीक्षा का अनुरोध करते हुए किए गए आवेदन में ऐसे दावों की जांच के लिए प्राधिकारी के समक्ष भारत के आयातक का नाम अथवा उसका ब्योरा प्रस्तुत नहीं किया गया।

प. प्रस्तावित निर्यात की मात्राओं के बारे में प्राधिकारी को कोई संकेत नहीं दिया गया, ताकि वह यह जांच कर सके कि क्या ऐसे आवेदक इस व्यवसाय में संलग्न गंभीर कंपनी है अथवा वे पहले से लगाये गए शुल्कों से बचने के लिए कोई तरीके ढूंढ रहे हैं।

फ. नियम 22 के अनुसार, केवल प्रश्नगत निर्यातक देश का निर्यातक ही अलग से फाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अनुरोध कर सकता है। नियम के अंतर्गत एक से अधिक सत्ताओं के लिए संयुक्त निर्धारण परिकल्पित नहीं है।

ब. नियम 22 का दुरुपयोग किया गया है।

भ. नियम 22 के अनुसार हर बार न्यू शिपर से आवेदन प्राप्त होने पर न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत नहीं की जा सकती। उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी न्यू शिपर हेतु मामलों की शुरुआत वार्षिक रूप से अथवा अर्द्धवार्षिक रूप से अथवा प्राधिकारी द्वारा

निर्धारित आवधिक आधार पर करने का निर्णय कर सकते हैं। 'आवधिक' शब्द का प्रयोग न्यायपालिका द्वारा 'तुरंत' के विपरीत अर्थ में किया गया है।

म. हम एनएमई के उत्तर अथवा अन्य सूचना पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं क्योंकि अलग-अलग व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता।

य. न्यू शिपर्स ने अपने सामान्य उत्तर में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। न्यू शिपर्स ने लगभग सभी दस्तावेजों के संबंध में गोपनीयता के दावे के कोई कारण नहीं दिए हैं। इस बात का भी कोई कारण नहीं दिया गया है कि जिस सूचना के बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है और जाहिर तौर पर अनुमति दे दी गई है, उसका सारांश प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

र. अतः यह कार्यवाही क्षेत्राधिकार से रहित है और इसे यथाशीघ्र समाप्त किया जाना चाहिए।

ल. घरेलू उद्योग ने उत्तर के रूप में किए गए निवेदनों में उल्लेख किया है कि आवेदकों ने लिखित निवेदनों पर तारीख अंकित नहीं की है।

व. घरेलू उद्योग ने उत्तर के रूप में किए गए निवेदनों में लिखित निवेदन में प्रस्तुत किए गए विचारों को दोहराया है, जिसका सारांश निम्नानुसार है :-

- i. वर्तमान जांच शुरुआत नियम 22 की अपेक्षाओं के विपरीत है और कानून की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है।
- ii. चूंकि आवेदकों ने नियम 22 का लाभ प्रदान करने अथवा एमईटी प्रदान करने से संबंधित दावे के बारे में कोई निवेदन नहीं किया है, अतः हम कोई भी सार्थक निवेदन करने की स्थिति में नहीं हैं।
- iii. न्यू शिपर्स ने यह घोषणापत्र प्रस्तुत नहीं किया है कि वह चीन के किसी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं है जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया हो। झूठे तथा भ्रामक घोषणापत्र प्रस्तुत करके वर्तमान जांच शुरुआत का अनुरोध करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को गुमराह किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियम 22 की पूर्वापेक्षा के अतिरिक्त यह जांच करनी चाहिए कि क्या नियम 22 की आड़ में किसी नियम से बचने का प्रयास किया जा रहा है।
- iv. चीन का वर्तमान निर्यातक तथा उत्पादक अन्य सत्ताओं द्वारा नियंत्रित है जिन पर शुल्क लगाया गया है और ऐसे संबंध को प्राधिकारी से छुपाया गया है। हमारे अनुसंधान से ज्ञात होता है कि इस बात का पर्याप्त आधार है कि वर्तमान सत्ताओं का सृजन केवल पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए किया गया है।
- v. नियम 22 के अंतर्गत अलग-अलग पाटन मार्जिन का अनुरोध करने से पहले स्वयं को एक निर्यातक सिद्ध करना होता है। नियम 22 के अंतर्गत ऐसी कोई भी

कार्यवाही, जो जांच की परवर्ती अवधि पर आधारित हो, माननीय अधिकरण के निर्णय के अनुसार नियम 22 के विपरीत होती है।

vi. हमने अपने दिनांक 4.6.2008 के पत्र तथा दिनांक 9.6.2008 के लिखित निवेदन के माध्यम से सूचना/दस्तावेज /आंकड़े उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। ये अब तक हमें प्राप्त नहीं हुए हैं।

vii. निम्नलिखित अतिरिक्त दस्तावेज, जिनका न्यू शिपर के लिखित निवेदनों में उल्लेख किया गया है, कृपया उपलब्ध कराए जाएं :-

- मौखिक सुनवाई के समय प्रस्तुत पेपर बुक।
- दिनांक 10.3.2008 का पत्र एवं घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त शिकायत की प्रति।
- दिनांक 25.3.2008 का पत्र और उसके अनुबंध।
- वास्तविक स्थिति दर्शाने वाला दिनांक 5.4.2008 का पत्र।

viii. न्यू शिपर्स के लिखित निवेदनों का पैरा-वार प्रारंभिक उत्तर निम्नानुसार है :-

- i. पैरा 2 में पहले प्रस्तुत किसी याचिका का उल्लेख किया गया है, इसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई है।
- ii. जिस अनुरोध तथा पत्र के आधार पर संशोधन अधिसूचना जारी करना आवश्यक हो गया था, उनकी प्रतियां भी हमें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।
- iii. उपस्थित प्राधिकृत प्रतिनिधि को सुनवाई के दौरान ही दूरभाष से सूचना देकर बुलाया गया था, जब सुनवाई की कार्यवाही चल रही थी। अतः ऐसी स्थिति में सुनवाई के दौरान हम कोई निवेदन प्रस्तुत नहीं कर सके।

क. न्यू शिपर ने सुनवाई के दौरान प्रस्तुत पेपर बुक को वर्तमान निवेदनों का एक अभिन्न भाग मानने का अनुरोध किया है। इस पैरा में किसी निवेदन के होते हुए भी, हमारा निवेदन है कि चूंकि पेपरबुक उपलब्ध नहीं कराई गई है अथवा वर्तमान निवेदन के साथ संलग्न नहीं की गई है, अतः इसे वर्तमान निवेदन का अभिन्न अंग नहीं माना जा सकता है।

ख. निर्दिष्ट प्राधिकारी को सीपी गई पेपरबुक के बारे में किए गए मौखिक निवेदन पर विचार नहीं किया जाना चाहिए और इसे अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।

ग. किसी भी घरेलू उत्पादक को सुनवाई की कोई सूचना अथवा जांच शुरुआत सूचना नहीं भिजवाई गई।

घ. वेब प्रिंटों के अनुसार, इस समूह की अनेक सत्ताएं हैं जो विभिन्न नामों के अंतर्गत संचालित हैं। उन्होंने नैकनीयती से निर्दिष्ट प्राधिकारी से संपर्क नहीं किया है क्योंकि जाहिरा तौर पर उनका एक मात्र उद्देश्य वास्तविक सूचना को छिपाते हुए शुल्कों से बचना है।

ड. प्राधिकारी को प्राप्त शिकायत से संबंधित दस्तावेज, जिसमें दावा किया गया था कि मेसर्स नानहाई सिटी कियाडांग सिरामिक्स कम्पनी लिमिटेड (मोनालिसा) ने मूल जांच अवधि

के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इस सत्ता को भी विधिवत प्रमाणित निर्यात आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए बुलाया नहीं गया था, ताकि प्राधिकारी यह जांच कर सकें कि क्या मूल जांच अवधि के दौरान उन्होंने भारत को कोई निर्यात किया था।

च. आवेदक न्यू शिपर को प्राधिकारी के समक्ष यह सिद्ध करना होता है कि उसने पहले निर्यात किए थे और ऐसे निर्यात उन कीमतों पर किए गए जो सामान्य मूल्य से अधिक थी। यदि जांच के लिए चुनी गई अवधि परवर्ती अवधि है तो न्यू शिपर आवेदक अपनी कीमतों, जो जांच का आधार बनेंगी, में फेरबदल करने के लिए स्वतंत्र है, जिससे पाटन न किए जाने का गलत निष्कर्ष निकाला जाएगा।

छ. यह बात सही नहीं है और इसका खंडन किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय ने अपने दिनांक 14.5.2008 के निर्णय में माननीय सीस्टेट के विचारों से असहमत होते हुए जांच की परवर्ती अवधि के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय को बरकरार रखा था। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश में की गई टिप्पणी से यह स्पष्ट होता है कि अंतरिम आदेश में की गई टिप्पणियां प्रथमदृष्ट्या आधार पर की गई थी।

ज. आवेदक ने अपने आवेदन में जिन आधारों के अंतर्गत न्यू शिपर समीक्षा का अनुरोध किया है, वे सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं हैं और उन्हें हमें उपलब्ध नहीं कराया गया है।

झ. जिस आधार पर न्यू शिपर ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है, उसका उल्लेख न्यू शिपर द्वारा किए गए निवेदनों में नहीं किया गया है। चीन में विनिमय दर चीन की सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है और इसे कृत्रिम रूप से नियंत्रित स्तर पर रखा जाता है। साक्ष्यों से ज्ञात होता है कि चीन के प्राधिकारियों द्वारा मुद्रा में किए गए फेरबदल के कारण सौदों को वाणिज्यिक सिद्धांतों के आधार पर उचित मूल्यों पर करने के संबंध में सम्पूर्ण बाजार गतिशीलता को विकृत कर दिया जाता है। प्राधिकारी समूह कम्पनियों के राज्य के स्वामित्व में होने की जांच नहीं कर सके, क्योंकि इनके बारे में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की गई।

ञ. हमारे अनुरोध को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस जांच को समाप्त करने हेतु अंतिम जांच परिणाम यथाशीघ्र जारी किए जाएं और न्यू शिपर्स को प्रदत्त छूट वापस ले ली जाए।

ट. हम निर्दिष्ट प्राधिकारी से पुनः अनुरोध करते हैं कि वे सीमाशुल्क विभाग से मूल जांच की अवधि से संबंधित आयात आंकड़े सभी निर्यातकों से नामों सहित प्राप्त करें और वर्तमान न्यू शिपर्स के संबंध में वर्तमान कार्यवाही हेतु निर्धारित जांच अवधि से संबंधित आयात आंकड़े प्राप्त करें।

ठ. जिन कम्पनियों ने एक दूसरे से संबंधित होना स्वीकार किया है उन्होंने विधिवत प्रमाणित आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं कि उनकी स्थापना कब की गई और उनका देशवार कुल

निर्यात कितना था । इसके अभाव में प्राधिकारी इस बात की जांच नहीं कर सकते और इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते कि किसी भी संबंधित कंपनी ने मूल जांच के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष निर्यात किया है । इस सूचना के सही होने के जांच नियम 8 की अपेक्षाओं के अनुसार नहीं की गई है । हांगकांग स्थित सत्ता से किसी सत्ता का निर्माण होना भी संदिग्ध है ।

ड. रिलायंस इण्डस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किए गए निर्वचन को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी कोई अलग सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं कर सकते ।

ढ. हमारा यह भी अनुरोध है कि न्यू शिपर्स द्वारा उत्तर के रूप में प्रस्तुत निवेदनों की एक प्रति हमें उपलब्ध कराई जाए ताकि हम प्रकटीकरण विवरण, जो जारी किया जाना संभावित है, के संबंध में कारगर तरीके से अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर सकें । उपर्युक्त के होते हुए भी हम प्राधिकारी से यह भी अनुरोध करते हैं कि हमें सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए और इस जांच को आगे बढ़ाने से पहले हमारी टिप्पणियां प्राप्त कर ली जाएं ।

ण. वर्तमान मामले में मोनालिसा इण्डस्ट्री कम्पनी लिमिटेड वाणिज्य विभाग की वेबसाइट पर सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादक के रूप में सूचीबद्ध है और यह तथ्य निर्दिष्ट प्राधिकारी से छिपाया गया है । हमें विश्वास है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आचरण को पुरस्कृत नहीं करेंगे ।

त. हमें ज्ञात है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी सत्यापन के दौरान अथवा मौखिक सुनवाई के दौरान नए उत्तरों एवं नई सूचनाओं को रिकार्ड में दर्ज करते हैं । इससे हितबद्ध पक्षकार कानून के अंतर्गत विमर्शित कारगर अवसर से वंचित रह जाते हैं ।

थ. ऊपर उल्लिखित परिस्थितियों को देखते हुए अनुरोध किया जाता है कि आवेदकों को प्रदान की गई छूट तुरंत वापस ली जाए और उन्हें पाटनरोधी शुल्क, जो चीन के सभी अन्य असहयोगी निर्यातकों पर लागू है, का भुगतान करने हेतु विवश किया जाए । राजस्व के मामले में ऐसी धोखाधड़ी में भाग लेने और घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति पहुंचाने के लिए भारत स्थित आयातकों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाए ।

19. भारतीय बिल्डर असोसिएशन के विचार

भारतीय बिल्डर असोसिएशन ने लिखित निवेदन निम्नानुसार प्रस्तुत किया है :-

क. सभी विट्रीफाइड टाइलों के लिए एक समान संदर्भ कीमत का निर्धारण नहीं किया जा सकता क्योंकि जो एक दूसरे से उनके साइज, डिजाइन, सजावट की विधि आदि जैसे अनेक आधारों पर भिन्न होती हैं ।

ख. विभिन्न ग्रेडों और किस्मों की विट्रीफाइड टाइलों को आपस में मिलाना और फिर उन सब के लिए एक सामान्य बेंच मार्क संदर्भ कीमत का निर्धारण करना अवांछनीय होगा ।

ग. सर्वप्रथम आवश्यकता भारत में विनिर्मित की जा रहे और आयात की जा रही विट्रीफाइड टाइलों की विभिन्न किस्मों/प्रकारों को अभिज्ञात करना है और उसके बाद पाटन, क्षति तथा एक समान किस्मों के लिए कारणात्मक संबंध का विश्लेषण किया जाना चाहिए । इस आधारभूत कारक को नजरअंदाज करने से समूची प्रक्रिया ही शुरुआत से विकृत हो गई है, अतः इससे निकाले गए परिणाम त्रुटिपूर्ण एवं तर्कहीन होंगे ।

घ. घरेलू विनिर्माताओं ने स्वयं स्वीकार किया था कि वर्ष 2002-03 के दौरान उनकी बिक्री की मात्रा तथा उससे प्राप्त आय में वृद्धि हुई । यदि ऐसा है तो वे आयातों के कारण क्षति होने का दावा कैसे कर सकते हैं ?

ड. आयातित उत्पादों की उपलब्धता भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक वरदान है और विट्रीफाइड टाइलों के बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि करने में इसने अपनी भूमिका निभाई है ।

च. स्थानीय विनिर्माताओं के लिए यह बेहतर होगा कि प्राकृतिक बाजार शक्तियों से अनावश्यक एवं अवांछित संरक्षण प्राप्त करने में अपना उल्लेखनीय समय लगाने एवं प्रयास करने के बजाय वे अपनी ऊर्जा कार्यक्षम उत्पादक एवं विपणनकर्ता बनने पर व्यय करें ।

छ. पाटनरोधी शुल्क अथवा अन्य कोई संरक्षणकारी शुल्क लगाया जाना एक अव्यवस्थित कदम होगा और ऐसे कदम के लिए हम अपना विरोध व्यक्त करते रहेंगे जब तक ऊपर उठाए गए कुछेक आधारभूत मुद्दों पर विधिवत विचार करके उनका उचित समाधान न किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

20. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने न्यू शिपर्स समीक्षा की शुरुआत पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों का ध्यान में रखते हुए की थी, जिसे नीचे उद्धृत किया गया है :

"नियम 22 : (1) यदि किसी उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी संबंधित निर्यातक देश के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक, जिसने जांच की अवधि के दौरान भारत को उस उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवधिक समीक्षा करेंगे, बशर्ते ये निर्यातक अथवा उत्पादक यह सिद्ध करते हैं कि वे निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से सम्बद्ध नहीं हैं, जिन पर उस उत्पाद हेतु पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है ।

(2) केन्द्रीय सरकार इस नियम के उप-नियम (1) में यथा संदर्भित निर्यातकों अथवा उत्पादकों से किए गए आयातों पर जांच अवधि के दौरान अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण नहीं करेगी।

बशर्त कि केन्द्रीय सरकार अनंतिम आकलन करे और यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसी संस्तुति करते हों तो आयातक से गारंटी प्राप्त करे और यदि ऐसी समीक्षा की परिणति ऐसे उत्पादों अथवा निर्यातकों के संबंध में पाटन के निर्धारण में होती हो, तो ऐसे मामलों में वह समीक्षा की शुरुआत की तारीख से भूतलकी प्रभाव से शुल्क अधिरोपित करेगी।

21. नियम 22 में उन परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट किया गया है जिनके अंतर्गत अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजनार्थ न्यू शिपर जांच की जाती है। संबंधित निर्यातक देश के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जा सकता है, बशर्त कि निम्नलिखित दो शर्तों को पूरा किया जाए :-

(क) कि निर्यातक अथवा उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है और,

(ख) कि निर्यातक अथवा उत्पादक सिद्ध करता है कि वह निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से सम्बद्ध नहीं है, जिनके संबंधित उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है।

22. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि नियम 22 का मंतव्य किसी निर्यातक अथवा उत्पादक के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करना है, जिसने मूल जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया था। चूंकि मूल जांच की अवधि के दौरान ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों ने सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया था, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी मूल जांच के समय उनके निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं कर सके थे। अतः न्यू शिपर समीक्षा के प्रावधान का प्रयोजन ऐसे निर्यातक को अपनी स्वयं की पाटन मार्जिन का दावा करने का अवसर प्रदान करना है, यह मानते हुए कि इन निर्यातकों को मूल जांच के दौरान अवशिष्ट पाटन मार्जिन प्रदान की गई थी।

23. वर्तमान मामले में निम्नलिखित आवेदकों ने न्यू शिपर समीक्षा हेतु आवेदन किया था :-

- i) गुआंगडांग मोनालिसा सिरामिक कं. लिमिटेड (उत्पादक)
- ii) फोशान मोनालिसा इण्डस्ट्री कं. लिमिटेड (निर्यातक)
- iii) एवाकॉर्प, हांगकांग (निर्यातक)

(क) आवेदकों ने अपने आवेदन में अन्य बातों के अलावा निम्नलिखित दावे किए हैं :-

(क) कि आवेदकों ने मूल जांच की अवधि के दौरान इस सामग्री का निर्यात नहीं किया था।

(ख) कि आवेदक किसी निर्यातक अथवा उत्पादक से सम्बद्ध नहीं थे, जिसने मूल जांच की अवधि के दौरान निर्यात किया था ।

24. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर यह पाया है कि निर्यातक अथवा उत्पादक ने जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है और यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया है कि वह निर्यातक देश के किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबंधित नहीं है, जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है । प्राधिकारी के समक्ष न्यू शिपर के दावे के बारे में भी कोई प्रतिकूल सामग्री नहीं आई है ।

25. जांच की कार्यवाही के दौरान यह देखा गया है कि मेसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरामिक्स कं. लिमिटेड, मेसर्स नानहाई सिटी कियाओडांग सिरामिक्स कं. लिमिटेड से संबंधित है । यह बताया गया था कि मेसर्स नानहाई सिटी कियाओडांग सिरामिक्स कं. लिमिटेड राज्य के स्वामित्व की एक कम्पनी है, जो विट्रीफाइड टाइलों एवं अन्य टाइलों का उत्पादन करती है । इस कम्पनी को मेसर्स गुआंगडांग मोनालिसा सिरामिक्स कं. लिमिटेड, जिसकी स्थापना अक्टूबर, 1998 में की गई थी, के प्रबंधन ने खरीद लिया है । तथापि, उत्पादन तथा बिक्री को जनवरी, 2002 से गुआंगडांग मोनालिसा सिरामिक्स की लेखा पुस्तकों के अंतर्गत लाया गया था । अक्टूबर, 1998 तथा जनवरी, 2002 के बीच सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन एवं बिक्री को नानहाई सिटी कियाओडांग सिरामिक्स कं. लिमिटेड द्वारा लेखाबद्ध किया जा रहा था । कम्पनी के विवरण के समर्थन ने आवेदक ने संबंधित दस्तावेजों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं :

26. न्यू शिपर के रूप में आवेदक की पात्रता से संबंधित दावों की जांच की गई थी कि क्या कंपनी ने मूल जांच में भारत को उत्पाद का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात किया है । आवेदकों को अपना यह दावा साबित करने के लिए कहा गया था कि कंपनी या उसकी किसी संबंधित कंपनी ने मूल जांच की जांच अवधि में भारत को संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं किया है । यह बताया गया था कि चीन से किसी उत्पाद का निर्यात करने के लिए एक सीमाशुल्क पंजीकरण की जरूरत होती है । यह सीमाशुल्क पंजीकरण आवेदक या संपूर्ण समूह में उसकी किसी संबंधित सत्ता के पास उपलब्ध नहीं था । आवेदकों से मूल जांच अवधि के लिए सभी बिक्री बीजक और जांच अवधि के प्रत्येक महीने के लिए वैट संबंधी विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया था । इस सामग्री से यह प्रदर्शित नहीं हुआ कि आवेदक कंपनी या नॉनहाई सिटी कियाओडांग सिरामिक्स कंपनी लि. इस अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात किया था । आवेदक ने जांच अवधि के प्रत्येक महीने के लिए वैट संबंधी विवरण उपलब्ध कराया था और इनमें भी वैट के भुगतान के बिना किसी बिक्री या ऐसी किसी बिक्री जिस पर कंपनी को वैट से छूट मिली हो, को नहीं दर्शाया गया है । विशेष रूप से यह दर्शाया गया था कि वैट विवरण में यह बताने की व्यवस्था है कि (क) कर बिक्री राशि से मुक्त निर्यात वस्तुएं (ख) निर्यातों पर वैट । यह दर्शाया गया था कि जांच अवधि के सभी महीनों के लिए इन कॉलमों में दर्शायी गई राशि शून्य थी । इस प्रकार यह संकेत मिलता है कि नॉनहाई सिटी कियाओडांग सिरामिक्स कंपनी लि. ने मूल जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया था ।

अन्य मुद्दे

27. एचआर जॉनसन द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रक्रिया संबंधी मुद्दों के बारे में प्राधिकारी ने निम्नानुसार नोट किया है:

- i. प्राधिकारी ने मै. एच.आर.जॉनसन, घरेलू उत्पादक को रिकार्ड में जांच की शुरुआत और सार्वजनिक सूचना के बारे में सूचित किया है। तथापि, प्राधिकारी का यह दायित्व नहीं है कि वे मामले की प्रक्रियाओं के संबंध में किसी परामर्शदात्री फर्म को सूचित करें। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि उसके बाद एपीजे-एसएलजी द्वारा कोई अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं की गई थी।
- ii. प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी जाने वाली सभी संगत सूचना एकत्रित की थी।
- iii. भारतीय आयातक के संबंध में यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान आयातक द्वारा किए गए आयातों को गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया गया है। प्राधिकारी ने इस बात पर विचार करते हुए इनकी गोपनीयता को माना है कि इनमें व्यापार की दृष्टि से संवेदनशील सूचना मौजूद है।
- iv. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि निर्णायक समीक्षा के लिए चुनी गई जांच अवधि की परिस्थितियां वर्तमान न्यू शिपर समीक्षा से अधिक थी, अलग-अलग पाटन मार्जिन प्रदान करके कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं किया जा सकता है क्योंकि न्यू शिपर पर अपने नये पृथक पाटन मार्जिन का दावा करने के लिए निर्णायक समीक्षा में भागीदारी करने का दायित्व होता। उन्होंने यह भी कहा है कि इस जांच के लिए चुनी गई जांच अवधि में निर्णायक समीक्षा जांच की अवधि को शामिल किया जा सकता है और इसलिए हम वर्तमान न्यू शिपरों को ऐसा विशेष दर्जा दिए जाने के कारणों को बताने की स्थिति में नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत निर्णायक समीक्षा की शुरुआत से पहले हुई थी। यह भी नोट किया गया है कि न्यू शिपर समीक्षा के लिए जांच की अवधि अलग थी और निर्णायक समीक्षा की अवधि के बाद थी।
- v. घरेलू उद्योग ने अपने इस विवरण के समर्थन में कोई वास्तविक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि न्यू शिपर जांच की शुरुआत की पूर्व स्थितियों के बारे में शुरुआती घोषणाएं गलत और भ्रामक थीं और वर्तमान जांच क्रो

बनाए रखने पर सीधा प्रभाव डालने वाली वास्तविक सूचना को प्राधिकारी से छुपाया गया है ।

- vi. इस आरोप का कोई आधार नहीं है कि भावी जांच अवधि के निर्धारण से निर्यातक को अपना सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत की योजना बनाने का अवसर मिल जाता है । यह सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है कि सामान्य मूल्य अथवा निर्यात कीमत को किसी भी ढंग से विकृत किया गया है । इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय ने लिखित याचिका का निपटान करते हुए दिनांक 14 मई, 2008 के अपने निर्णय में यह राय दी थी कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 की भाषा और उद्देश्य प्रथम दृष्टया न्यायाधिकरण द्वारा किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का समर्थन नहीं करते हैं । तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भावी जांच अवधि के मुद्दे के संबंध में माननीय सेस्टेट के आदेशों के विरुद्ध एक एसएलपी दायर की है ।
- vii. आवेदकों ने जांच की शुरुआत (यथासंशोधित) से पहले आवेदकों अर्थात् मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक), फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि., चीन जन.गण. (निर्यातक) और मै. अवाकोर्प, हांगकांग (निर्यातक) के व्यापार लाइसेंस उपलब्ध कराए हैं और इस सूचना से किसी भी तरह से यह साबित नहीं होता है कि जांच की शुरुआत विकृत थी ।
- viii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया स्वयं को इस तथ्य से संतुष्ट कर लिया है कि आवेदकों ने न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत से पहले नियम 22 के अंतर्गत उल्लिखित तर्कों को पूरा कर लिया है । यह सिद्ध करने और अलग-अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करने की दृष्टि से जांच शुरुआत के बाद विस्तृत जांच की गई है कि क्या आवेदक नियम 22 के अंतर्गत उल्लिखित अपेक्षाओं को पूर्णतः पूरा करते हैं ।
- ix. जांच से यह पता चलता है कि पुरानी कंपनी का अधिग्रहण हुआ था । प्राधिकारी को इस संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिला है कि मूल जांच अवधि के दौरान पुरानी कंपनियों द्वारा कोई निर्यात किया गया है ।
- x. हांगकांग के निर्यातक के संबंध में किए गए अनुरोधों के बारे में प्राधिकारी ने नोट किया है कि ऐसी अन्य कंपनियां भी हैं जो उसी परिसर से प्रचालन कर रही हैं ।
- xi. इस मुद्दे के संबंध में कि प्राधिकारी को निर्यात किए जाने के लिए प्रस्तावित मात्रा के बारे में कोई संकेत उपलब्ध नहीं कराया गया था, यह नोट किया

जाता है कि आवेदकों द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित निर्यातों की मात्रा का निर्णय पहले लेने की कोई जरूरत नहीं है।

xii जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी के लिए आवधिक समीक्षाएं करना अपेक्षित है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सेस्टेट ने पहले ही इस मुद्दे का निर्णय कर दिया है।

xiii डब्ल्यूटीओ करार के नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर समीक्षा से इसी संभावित विचलन के संबंध में प्राधिकारी यह नहीं मानते हैं कि भारतीय कानून में न्यू शिपर समीक्षा जांच के संबंध में डब्ल्यूटीओ करार से कोई सोचा-समझा या गंभीर विचलन हुआ है।

xiv घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए इस तर्क के संबंध में कि उत्पादक ने अपने इस दावे के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि भारत को निर्यातित वस्तु और अन्य देशों को निर्यातित वस्तुओं के बीच कोई अंतर नहीं था, यह नोट किया जाता है कि न्यू शिपरों ने क्रमशः परिशिष्ट-1 और 2 के रूप में सूचना प्रस्तुत की है जिनमें सौदावार आधार पर आकारों/ग्रेडों के ब्यौरे दिए गए हैं। उन्होंने भारत से इतर देशों को निर्यात के सौदावार ब्यौरों के बारे में सूचना प्रस्तुत की है जिनमें देश के नाम भी दर्शाए गए हैं।

गोपनीयता के मुद्दे की जांच

28. निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. एच आर जॉनसन ने मौखिक सुनवाई और उसके प्रत्युत्तर के अनुरोधों के बाद भी प्रस्तुत किए गए अपने लिखित अनुरोधों में विभिन्न स्थानों पर आवेदकों द्वारा सूचना की गोपनीयता के मुद्दे को उठाया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय सेस्टेट ने एच आर जॉनसन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी से संबंधित मामले में दिनांक 19.5.2005 के अपने आदेश में दिनांक 19.5.2005 को यह समुक्ति की है कि :

i) नियम 7(1) के अनुसार गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को केवल तभी गोपनीय माना जाएगा जब निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट हों।

ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए किसी पक्षकार द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को केवल इसलिए गोपनीय रूप से मानना अपेक्षित नहीं है क्योंकि उस पक्षकार ने उस सूचना को गोपनीय रखने की इच्छा व्यक्त की है।

iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी को विभिन्न कारकों जैसे सूचना की प्रकृति और क्या ऐसी सूचना सीमाशुल्क, प्रयोग या प्रक्रियाओं की दृष्टि से गोपनीय मानी जानी

चाहिए, के आधार पर सूचना की गोपनीयता के बारे में स्वयं को संतुष्ट करना होगा ।

iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस विशेष मामले में गोपनीयता के मुद्दे के संबंध में कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं किया है ।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 7(1) में यह व्यवस्था है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को तक गोपनीय मानेंगे जब निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट हों । नियम 7(1) निर्दिष्ट प्राधिकारी पर इस दायित्व को भी अधिदेशित करता है कि यदि प्राधिकारी उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हों तो ऐसी सूचना को उस सूचना को उपलब्ध कराने वाले पक्षकार के विशिष्ट अनुमोदन के बिना किसी अन्य पक्षकार को प्रकट नहीं किया जाएगा ।

30. इसे अलावा नियम 7(2) में यह बताया गया है कि प्राधिकारी गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उनके अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं । इसमें यह भी व्यवस्था है कि यदि ऐसी गोपनीय सूचना का सारांश नहीं किया जा सकता है तो हितबद्ध पक्षकार को उन कारणों संबंधी एक विवरण प्रस्तुत करना होगा जिनकी वजह से इसका सारांश करना संभव नहीं है ।

31. इसके अलावा, नियम 7(3) में यह व्यवस्था है कि यदि प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को आवश्यक नहीं मानते हैं या जहां सूचना देने वाला उस सूचना को सार्वजनिक करने या उसका सामान्यतः खुलासा करने की स्वीकृति नहीं देता है या उसका सारांश नहीं उपलब्ध कराता है तो प्राधिकारी उस सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं ।

32. उपर्युक्त के आलोक में प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए आवेदक के गोपनीयता संबंधी दावे की जांच की है । जांच के बाद प्राधिकारी ने मुख्यतः उपभोक्ताओं, लागत और वित्तीय स्थिति से संबंधित सूचना को गोपनीय माना है ।

प्रकटन विवरण के बाद मै. एच एंड आर जॉनसन (इंडिया) लि. द्वारा किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा जांच:

निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:-

33. प्रकटन विवरण में यह आरोप लगाया गया है कि घरेलू उद्योग को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित नहीं किया गया था । भारत में किसी भी उत्पादक को जांच की शुरुआत के बारे में ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है यद्यपि इनमें से अधिकांश के नाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के रिकार्ड में निर्णायक समीक्षा जांच के जरिए उपलब्ध थे । पूर्ववर्ती मामलों में घरेलू उद्योग के पंजीकृत प्राधिकृत प्रतिनिधियों को जांच के बारे में सूचना भेजी गई थी । इसके पूर्णतः उलट निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में यह रिकार्ड किया कि उनके ऊपर इस मामले के बारे में

किसी परामर्शदात्री फर्म को सूचित करने का कोई दायित्व नहीं है। यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि प्राधिकृत प्रतिनिधि सूचना प्राप्त होने के बाद अनुमोदन प्रस्तुत करेंगे। प्राधिकारी ने नोट किया है कि सभी हितबद्ध पक्षकारों को जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था। तथापि, जांच की शुरुआत की सूचना किसी परामर्शदाता को देना तब तक वांछनीय नहीं है जब तक कि हितबद्ध पक्षकार ने उस परामर्शदाता को अपनी ओर से अनुरोध करने के लिए प्राधिकृत न किया हो। यह स्पष्ट नहीं है कि किस कानून के उपबंध के अंतर्गत एपीजे-एसएलजी को यह मांग करने का अधिकार है कि उन्हें जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया जाना चाहिए। प्राधिकारी इस विधि संबंधी फर्म के किसी स्वतंत्र अधिकार को मान्यता नहीं देते हैं।

34. निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई पेपर बुक सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध नहीं थी। यह भी बताया गया है कि प्रत्युत्तर संबंधी विवरण और बिल्डर एसोसिएशन द्वारा किए गए लिखित विवरण की प्रतिलिपि घरेलू उद्योग को नहीं दी गई थी। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि न्यू शिपर द्वारा यह पेपर बुक निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय रूप से सार्वजनिक सुनवाई के समय प्रस्तुत की गई थी। तत्पश्चात लिखित वक्तव्य देते हुए यह बताया गया था कि पेपर बुक को लिखित अनुरोध का भाग बनाया जा सकता है। तत्पश्चात पेपर बुक को सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। बिल्डर एसोसिएशन द्वारा प्रत्युत्तर और लिखित अनुरोध की प्रतिलिपि के संबंध में यह नोट किया गया है कि ये सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध हैं। इसके अलावा यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 10.6.2008 के बाद सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण नहीं किया है। तथापि, नियम 6(7) के अनुसार रखी गई सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण नहीं कर पाने से हितबद्ध पक्षकार या उनके परामर्शदाता पर यह दायित्व नहीं आ जाता है कि वे उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचना भेजें।

35. यह बताया गया है कि सत्यापन रिपोर्ट को सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा गया था। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि निर्यात की सत्यापन रिपोर्ट में काफी गोपनीय सूचना और चर्चाएं शामिल होती हैं। इन्हें सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा जाता है। तथापि, किए गए सत्यापन के बारे में सूचना को सार्वजनिक फाइल में रखा गया था।

36. यह बताया गया है कि कमी संबंधी पत्र या न्यू शिपर के साथ किए गए पत्रों के आदान-प्रदान को सार्वजनिक फाइल में नहीं रखा गया है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत से पहले किए गए सभी पत्राचार गोपनीय रखे गए हैं तथापि, जांच की शुरुआत के बाद आवेदन और अन्य प्रमुख अनुरोधों को सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध रखा गया है। तथापि, व्यवहारिक रूप से सार्वजनिक फाइल में सभी पत्रों को रखना संभव नहीं है जिससे जांच पर काफी प्रभाव पड़ सकता है।

37. यह आरोप लगाया गया है कि रिकार्ड में उपलब्ध सामग्री का संदर्भ लिए बिना न्यू शिपर द्वारा किए गए दावों के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि सत्यापित आंकड़ों और सामग्री के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए हैं। केवल विवरण और आरोप जो किसी दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं, पर विचार नहीं किया

गया है । आगे यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा लिखित विवरण/प्रत्युत्तर में प्रदत्त सूचना पर विचार नहीं किया गया है । इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि पहले प्रस्तुत की गई वेबसाइट आधारित सूचना में काफी असंगत और ऐसी सूचना प्रस्तुत की गई थी जो आवेदक से संबंधित नहीं थी । तथापि उपलब्ध सूचना पर जांच करते समय विचार किया गया था । इस संबंध में आगे यह नोट किया गया है कि एक शिकायत किसी एसोसिएशन द्वारा कथित रूप से प्रस्तुत की गई थी । तत्पश्चात् प्राधिकारी द्वारा की गई पूछताछ के आधार पर यह नोट किया गया था कि वह शिकायत किसी एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई थी क्योंकि शिकायत में कुछ तथ्यपूर्ण सूचना दी गई है इसलिए उसका सत्यापन निर्यातक के रिकार्ड से यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि उस सूचना में कितनी सच्चाई है । घरेलू उद्योग द्वारा यह बताया गया है कि वैट संबंधी विवरण यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि मूल जांच अवधि के दौरान भारत को कोई बिक्रियां नहीं की गई थीं । इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि वैट संबंधी विवरण की जांच करना उन पद्धतियों में से एक है जिनसे यह सुनिश्चित किया जाता है कि क्या जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातक द्वारा कोई बिक्रियां की गई थीं । इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए बीजकों की भी यादृच्छिक आधार पर जांच की गई थी कि क्या कोई निर्यात किए गए हैं । जांच के बाद प्राधिकारी की जानकारी में ऐसी कोई सामग्री नहीं आई है जिससे यह संकेत मिलता हो कि मूल जांच अवधि के दौरान आवेदक द्वारा कोई निर्यात किए गए थे ।

38. यह बताया गया है कि इस विवरण की जांच करने के लिए किसी जांच की शुरुआत किया जाना प्रतीत नहीं होता है कि "गुआंगडोंग की मोनालिसा सेरामिक्स कं. लि. नेशनल टार्च प्रोग्राम के अनेक प्रमुख हाइटेक उद्यमों में से एक है।" इस संबंध में यह नोट किया गया है कि नियमों के अनुसार यह सुनिश्चित करने के लिए जांच की गई थी कि क्या यह कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था के अनुसार कार्य कर रही है । इस संबंध में आगे यह नोट किया जाता है कि वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार यह कार्यक्रम बाजार अर्थव्यवस्था के कानूनों के अनुपालन में व्यापारीकरण, औद्योगीकरण और नए और उच्च प्रौद्योगिकी अनुसंधान परिणामों के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देता है ।

39. यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग ने सभी तीन न्यू शिपरों द्वारा एक सांझी प्रश्नावली प्रस्तुत करने और सत्यापन की अपेक्षा के संबंध में आपत्तियां जताई थीं । इन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है और कोई जांच परिणाम रिकार्ड नहीं किए गए हैं । प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक से पर्याप्त सूचना की मांग करना एक प्रक्रियात्मक जरूरत है । प्राधिकारी यदि उन्हें जरूरत हो तो इस सूचना को अलग-अलग मंगा सकते थे ।

40. यह बताया गया है कि संबंधित पक्षकार मैसर्स नॉनहाई सिटी कियाओडेंग सेरामिक्स कंपनी के बारे में सूचना को प्रकट नहीं करना, वर्तमान जांच को समाप्त करने का एकमात्र आधार नहीं होना चाहिए । इस संबंध में, प्राधिकारी ने नोट किया है कि न्यू शिपर समीक्षा की जांच की शुरुआत घोषणाओं और उनकी समर्थक सामग्री के आधार पर की गई थी । यदि किसी स्तर पर घोषणा गलत पाई जाती है या यह सिद्ध हो जाता है कि आवेदक या संबंधित पक्षकार ने मूल जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात किया था तो इससे जांच समाप्त हो ।

परिणामस्वरूप आवेदक से जांच की शुरुआत के बाव किए गए आयातों पर सीमाशुल्क का भुगतान करने के लिए कहा जाएगा, जैसा कि ऊपर नोट किया गया है। प्राधिकारी की जानकारी में यह दर्शाने वाली कोई सामग्री नहीं आई है कि मूल जांच अवधि के दौरान आवेदक या संबंधित पक्षकार द्वारा कोई निर्यात किया गया था।

41. यह बताया गया है कि आयातक की भागीदारी के बारे में सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि यह आवेदक चीन जन.गण. में उत्पादक/निर्यातक और हांगकांग में व्यापारी/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किया गया था। तथापि, आवेदन के समय एक वितरण व्यवस्था प्रस्तुत की गई थी, जिसमें निर्यातों और आयातों में शामिल चार पक्षकारों के नाम दर्शाए गए थे। अतः वितरण व्यवस्था में पक्षकारों के बिक्री संबंधी बीजकों का सत्यापन किसी क्षतिपूर्ति संबंधी व्यवस्था को समाप्त करने और उचित निर्यात कीमत सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। यह दर्शाने वाली कोई बात सामने नहीं आई है कि बिक्री सौदों के दौरान कोई घाटा हुआ था। स्पष्ट रूप से निर्धारित प्रारूप में पूर्ण उत्तर की आयातक से मांग नहीं की गई थी।

42. यह बताया गया है कि जैसा कि हांगकांग में मैसर्स एवाकोर्प का मामला है, एक ही पते से अनेक कंपनियां प्रचालन कर रही हैं। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एवाकोर्प (इस व्यवस्था में शामिल एक मध्यवर्ती व्यापारी/निर्यातक) आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पते से कार्य करती है। यद्यपि अन्य कंपनियां भी समान पते से प्रचालन करती हैं। प्राधिकारी को एवाकोर्प के उस पते से कार्य करने के बारे में कोई कानूनी दुर्बलता प्रतीत नहीं होती है जिससे अन्य कंपनियां भी प्रचालन कर रही हैं।

43. जांच की शुरुआत कानून की दृष्टि से गलत और नियम 22 के विपरीत है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत आवेदक द्वारा की गई इस घोषणा के आधार पर की जाती है कि मूल जांच अवधि के दौरान आवेदक या संबंधित पक्षकारों द्वारा कोई निर्यात नहीं किए गए हैं और इस संबंध में समर्थनकारी साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं। प्राधिकारी ने इस संबंध में स्थापित प्रक्रिया का पालन किया है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विवरण निराधार है।

44. भावी जांच अवधि और सामान्य मूल्य से संबंधित मुद्दों के संबंध में प्रकटन विवरण जारी करते समय इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी और उन्हें इन जांच परिणामों में भी रिकार्ड किया गया है। यह भी बताया गया है कि न्यूनतम मात्राओं और प्रवंचन के मुद्दे का भी समाधान नहीं किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानूनी आधार के बिना न्यूनतम मात्रा पर जोर देना संभव नहीं है। प्रवंचन के संबंध में यदि प्रवर्तन अभिकरणों की जानकारी में प्रवंचन का कोई मामला सामने आता है तो कानून अपना कार्य करेगा।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत के निर्धारण की पद्धति और पाटन मार्जिन की गणना:

घरेलू उद्योग के विचार

45. चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और उसे मूल जांच में यही माना गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई व्याख्या की दृष्टि से कोई पृथक सामान्य मूल्य प्रदान नहीं कर सकते हैं।

46. रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक देश के लिए केवल एक सामान्य मूल्य हो सकता है। कोई निर्यात विशिष्ट सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सकता है और इसलिए नियम 8(3) को लागू करने का कोई प्रश्न नहीं है। प्राधिकारी केवल सामान्य मूल्य ले सकते हैं जिसे मूल जांच में चीन के लिए निर्धारित किया गया है क्योंकि वर्तमान मामले में जांच अवधि के दौरान यही मूल्य प्रचालन में था।

निर्यातकों/उत्पादकों (न्यू शिपर) के विचार

47. पाटन के संबंध में अपीलकर्ता और प्रतिवादी पक्षकारों के विचार इस प्रकटन के अनुबंध-1 में नोट किए गए हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

48. प्राधिकारी मानते हैं कि नियमों के अंतर्गत सामान्य मूल्य को निम्नानुसार परिभाषित किया जाता है :

9 (1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

बशर्ते कि यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।"

यद्यपि यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण करना होगा जिसके लिए उत्पादन लागत संबंधी सूचना महत्वपूर्ण है, यह नोट किया जाता है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान आवेदक ने भारत में निर्यातित संबद्ध वस्तुओं और जिनका भारत में उत्पादन किया जाता है परंतु बिक्री नहीं की जाती, उन वस्तुओं के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। जांच प्रक्रिया के दौरान यह नोट किया गया था कि मैसर्स गुआंगडोंगमोनालिसा के पास पर्याप्त घरेलू बिक्रियां हैं।

49. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए न्यू शिपर समीक्षा मामलों में रिलायंस मामले के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रयोज्यता के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सेस्टेट ने दिनांक 27.8.2007 के अपने निर्णय में यह माना था कि रिलायंस मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की समुक्ति नियम 22 के अंतर्गत न्यूशिपर समीक्षा पर लागू नहीं होती है।

50. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8(2) के अनुसार इस मान्यता के साथ कार्रवाई की है कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी या डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया हो, वह गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश होता है। पिछले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ और अमेरिका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्यों ने पाटनरोधी जांचों में चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। वर्तमान मामले में चीन जन.गण. की जांच गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में करने का प्रस्ताव है।

51. प्राधिकारी ने मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक) और फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कं. लि. चीन जन.गण.(निर्यातक) को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एमईटी) संबंधी प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावलियां भेजी थीं। उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के अपने दावे के समर्थ में उत्तर प्रस्तुत किया था और भारत से इतर देशों को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण का अनुरोध किया था क्योंकि

उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्रिया नहीं थी। एमईटी व्यवहार के उनके दावे के मद्देनजर प्रतिवादी उत्पादक और निर्यातक के परिसर में मौके पर सत्यापन किया गया था। चीनी उत्पादक ने इस आधार पर अलग व्यवहार का दावा किया है कि वे अपने व्यापारिक कार्यकलापों में राज्य के किसी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप या प्रभाव के बिना देश में प्रचलित आर्थिक स्थिति पर विचार नहीं करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था की दशाओं के अंतर्गत प्रचालन कर रहे हैं।

52. पाटनरोधी जांच में चीन जन.गण. के मूल के आयातों से संबंधित सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध के पैरा 7 और 8 के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निम्नानुसार व्यवस्था है :

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो, किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर किया जाएगा जिसमें समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान की गई अथवा भारत में देय कीमत शामिल है, जिसमें यदि जरूरी हो, तो लाभ के समुचित मार्जिन को भी विधिवत रूप से समायोजित किया जाएगा।"

इसके अलावा पाटनरोधी नियमावली (यथासंशोधित) के अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह व्यवस्था है कि:

"8(1) 'गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश' शब्द का अर्थ ऐसा कोई देश है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने लागत या कीमत निर्धारण संरचनाओं के बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन करते हुए निर्धारित नहीं किया है क्योंकि ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियाएं उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार पण्य वस्तुओं का उचित मूल्य प्रदर्शित नहीं करती हैं।

(2) ऐसी एक परिकल्पना होगी कि कोई देश जिसे जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाएगा ;

बशर्ते कि तथापि यह कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस आशय की सूचना और साक्ष्य उपलब्ध कराके ऐसी किसी परिकल्पना का खंडन कर सकते हैं जो यह सिद्ध करती हो

कि वह देश उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।

53. यह नोट किया जाता है कि आवेदकों ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में यथा उल्लिखित साक्ष्य और सूचनाएं प्रस्तुत की है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करने में सक्षम हो सकें कि क्या

(क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों के कीमतों, लागत और निविष्टियों, कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश से संबंधित निर्णय बाजार संकेतों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं जिनमें पूर्ति और मांग प्रदर्शित होता है और इस संबंध में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं ।

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसंपत्तियों के हास, अन्य बड़े-खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान की दृष्टि से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त पर्याप्त विकृतियों के अधीन हैं ।

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और संपत्ति संबंधी उन कानूनों के अधीन हैं जो इन फर्मों की कानूनी निश्चितता और प्रचालन के स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं ।

बशर्ते, तथापि, यह कि जहां इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्यों द्वारा यह दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन ऐसी एक या उससे अधिक फर्मों के लिए बाजार की स्थितियां प्रचलित हैं, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में निर्धारित सिद्धांतों के बजाए पैराग्राफ 1 से 6 में निर्धारित सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं ।

54. स्वामित्व, प्रबंधन, नियंत्रण, वाणिज्यिक और व्यापारिक नीतियों के निर्धारण और वित्तीय स्थिति आदि के संबंध में आवेदक को विस्तृत प्रश्न भेजे गए थे । न्यू शिपर द्वारा प्रस्तुत उत्तरों का यह निर्धारण करने के लिए विश्लेषण किया गया था कि क्या आवेदक किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में प्रचलित स्थितियों की तुलना में चीन की सरकार से पर्याप्त रूप में स्वतंत्र होकर कार्य करता है । आवेदक ने मैसर्स गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक) और फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि. चीन जन.गण. (निर्यातक) के संबंध में सूचना प्रस्तुत की थी । प्राधिकारी ने आवेदकों से निम्नलिखित मापदंडों के संबंध में सामान्य और कतिपय विशिष्ट सूचना की मांग की थी :-

- स्वामित्व संबंधी ब्यौरे
- शेयरधारिता की प्रवृत्ति
- संवर्धक/धारक कंपनी/कंपनियों संबंधी सूचना
- निदेशक बोर्ड के सदस्य, उनकी कानूनी स्थिति और व्यक्ति/पक्षकार जिनके वे प्रतिनिधि हैं
- कच्ची सामग्री निविष्टियां और लागतें
- राज्य द्वारा किसी न्यूनतम मजदूरी निर्धारण की मौजूदगी या कोई अन्य व्यवस्था और क्या उद्यम बाजार की मांग के अनुसार मजदूरी का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है
- उत्पादन सुविधाएं और लागतें
- ऋण और सब्सिडियां
- वस्तु विनिमय व्यापार/काउंटर व्यापार
- लाभ का वितरण
- दिवालिया और संपत्ति कानून
- विनिमय दर परिवर्तन

55. आवेदक कंपनियों और संबंधित कंपनियों के परिसरों का सत्यापन 29 सितंबर, 2008 से 3 अक्टूबर, 2008 तक किया गया था। निर्यातक से उसके वर्तमान और पूर्ववर्ती स्वामित्व, स्थापना की तारीख, शामिल उत्पाद समेत इस समूह में सभी कंपनियों के पूरे ब्यौरे इस ढंग से प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था जिस प्रकार इन कंपनियों के स्थापना और निधियों के स्रोत आदि निर्धारित थे।

56. यह देखा गया था कि इस समूह ने स्वयं को इस प्रकार संगठित किया है कि एक कंपनी उत्पादन का दायित्व लिए हुए है जबकि अन्य कंपनियां निर्यात कर रही हैं। मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कं. लि. सामग्रियों का उत्पादन करती है और मै. फोसान मोनालिसा इंडस्ट्री कं. लि. निर्यात संबंधी कार्यकलाप करती है।

57. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या आवेदक के संसाधनों के आवंटन और निर्णयों पर राज्य का कोई प्रभाव या हस्तक्षेप होता है, चाहे वह प्रत्यक्ष रूप से हो अथवा अप्रत्यक्ष रूप से, आवेदक के स्वामित्व की प्रवृत्ति की जांच की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों के दावों/प्रतिवादी दावों पर विचार किया गया था और तत्संबंधी ब्यौरों का सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी ने इन कंपनियों के निदेशक बोर्ड के गठन, बोर्ड में शामिल व्यक्तियों की पहचान, उनके कार्यों, इन व्यक्तियों द्वारा धारित अन्य पदों आदि की जांच की थी ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या इन कंपनियों के प्रबंधन और कार्यकरण में राज्य का कोई हस्तक्षेप या मौजूदगी है। प्राधिकारी ने निदेशक बोर्ड, पर्यवेक्षण बोर्ड के गठन, महाप्रबंधक, उसके कार्यों और शक्तियों, नियुक्ति और पद से हटाए जाने, नियुक्ति आदि के मामलों में

कंपनी की स्वायत्ता और उस भूमिका से संबंधित संगत प्रावधानों पर विश्वास किया है जिसे राज्य या राज्य के स्वामित्व/नियंत्रित व्यक्तियों/निकायों, यदि कोई हों, द्वारा ऐसी कंपनियों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अदा किया जाता है।

58. यह पाया गया है कि मैसर्स गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन जन.गण. (उत्पादक) और फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि. चीन जन.गण. (निर्यातक) के पास साझी शेयरधारिता है अर्थात् शेयरधारिता को व्यक्तियों के साझे समूह द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यह भी पाया गया था कि दोनों कंपनियों के कर्मचारी काफी हद तक विभिन्न कंपनियों के लिए ऐसी सीमा तक अदल-बदल करके कार्य कर रहे हैं कि उनमें व्यवहारिक रूप से काफी कम अंतर दिखाई देता है। दोनों कंपनियां काफी हद तक साझी सुविधाओं का उपयोग कर रही हैं। यद्यपि ऐसा कोई कानूनी समायोजन नहीं था तथापि, वर्तमान ढांचा शेयरधारिता की प्रकृति के कारण बनाया गया था जहां समान व्यक्ति दोनों संबंधित कंपनियों को नियंत्रित कर रहे हैं।

59. बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे से संबंधित सूचना और निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में दी गई सूचना का सत्यापन निम्नलिखित पहलुओं को शामिल करते हुए किया गया है:-

- (क) कंपनियों के समूह का कानूनी ढांचा (सभी संबंधित कंपनियों सहित)
- (ख) सामूहिक कंपनियों के कार्यकलाप और अंतर-संबंध, यदि कोई हों
- (ग) भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1(8) में सूचीबद्ध मापदंडों में दिए गए परीक्षण को पूरा करना
- (घ) कंपनी समूह का प्रचालन ढांचा (सभी संबंधित कंपनियों सहित)
- (ङ) प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत आंकड़े/सूचना
- (च) मौके पर मांगी गई अन्य विविध सूचनाएं

आवेदकों का विधिक ढांचा:

60. प्राधिकारी ने आवेदक के विधिक ढांचे का सत्यापन किया है और निम्नानुसार नोट किया गया है:

- क) मै. नॉनहाईसिटी किआओडेंग सेरामिक्स कंपनी लि. एक राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी थी, जो विट्रीफाइट टाइलों और अन्य टाइलों का उत्पादन करती है। इस कंपनी को मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. के प्रबंधन द्वारा अक्टूबर, 1998 में खरीदा गया था। इसी के साथ मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. अक्टूबर, 1998 में स्थापित हुई। तथापि, उत्पादन और बिक्रियों को गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक के खातों में जनवरी, 2002 से दर्ज किया गया था। अक्टूबर, 1998 और जनवरी, 2002 के बीच संबद्ध वस्तु का उत्पादन और बिक्रियां नॉनहाईसिटी

किआओडेंग सेरामिक्स कंपनी लि. के खातों में लिखी जा रही थीं। गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक और नॉनहाईसिटी किआओडेंग सेरामिक्स दोनों संबंधित कंपनियां हैं।

ख) वर्ष 1998 में कंपनी को खरीदते समय एक निजी पक्षकार द्वारा मूल्य निर्धारण किया गया था। मूल्य निर्धारण रिपोर्ट की एक प्रति उसके अंग्रेजी अनुवाद के साथ उपलब्ध कराई गई थी। हस्तांतरण करार के अनुसार *** मिलियन आरएमबी के कुल सौदा मूल्य में से *** मिलियन का भुगतान तुरंत कर दिया गया था और शेष *** मिलियन का भुगतान *** मिलियन प्रत्येक की किस्तों में किया गया है। शेष राशि के लिए दायित्व और ऋण प्राप्त किए गए हैं।

ग) जून, 2000 में कंपनी ने निर्यात शुरू करने का निर्णय लिया और इस प्रयोजनार्थ गुआंगडोंग मोनालिसा (उत्पादक) के निर्यात स्कंध के रूप में मै. फोशान मोनालिसा नाम एक नई कंपनी गठित की गई। यह स्पष्ट किया गया था कि उस अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्यात लाइसेंस केवल पृथक कंपनियों को दिए जाते थे और न कि उत्पादकों को। नई कंपनी मै. फोशान मोनालिसा ने निर्यात लाइसेंस के लिए आवेदन किया जो दिसंबर, 2001 में सरकार द्वारा उसे प्रदान किया गया और उसके बाद कंपनी ने निर्यात व्यापार शुरू किया। मै. फोशान मोनालिसा का मूल उद्देश्य उत्पादक कंपनी के लिए केवल निर्यात कार्यों का निष्पादन करना था और इस उत्पाद की कीमत निर्धारण का आंतरिक हस्तांतरण दोनों कंपनियों की आंतरिक समझ और आवश्यकता के अनुसार किया गया है। मै. फोशान मोनालिसा जो उत्पादक कंपनी का निर्यात स्कंध है, कोई घरेलू बिक्रियां नहीं करता है।

घ) सितंबर, 2003 में इस समूह में एक अन्य नई कंपनी अर्थात् क्विंग यूआन सिटी हुआंगमा सेरामिक्स कंपनी लि. शामिल की गई थी जिसका नाम इसके बाद बदल कर जनवरी, 2006 में गुआंगडोंग क्विंग यूआन मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. कर दिया गया है। यह कंपनी केवल सेरामिक टाइलों का उत्पादन करती है।

ड) निदेशक बोर्ड कंपनी का सर्वोच्च निकाय है। यह बोर्ड कंपनी के सभी महत्वपूर्ण मामलों के संबंध में निर्णय लेता है। महत्वपूर्ण मामले कंपनी के संस्था के नियमों में निर्धारित नियमावली के अनुसार निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद ही लागू होते हैं। बिक्री और उत्पादन के संबंध

में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता है और न ही कोई मात्रात्मक प्रतिबंध है।

61. वित्तीय लेखा: कंपनी को चीन के सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार उसके लेखाओं का रखरखाव करते हुए पाया गया था। यह कंपनी मासिक लाभ और घाटा संबंधी विवरण रखती है जिनके लिए वेट प्रस्तुत करने के साथ लाभ और हानि संबंधी विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है। जांच अवधि के प्रत्येक माह के लिए लाभ और हानि संबंधी विवरण की जांच की गई थी और उसके बेट संबंधी विवरण के साथ कंपनी द्वारा प्रस्तुत किए गए लाभ और हानि संबंधी विवरण के साथ उनका प्रति सत्यापन किया गया था और संबद्ध वस्तुओं और अन्य वस्तुओं के लिए एक पृथक लाभप्रदता निर्धारित की गई थी। रिकॉर्डों की जांच करने पर यह पाया गया कि कंपनी को संबद्ध वस्तुओं के संबंध में लाभ हुआ था। कंपनी के लेखाओं की नियमित रूप से लेखा परीक्षकों द्वारा जांच की जाती है और कंपनी द्वारा चालन की गई लेखांकन प्रथाओं के संबंध में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं पाई गई थी।

62. बिक्री कीमत : बिक्री कीमत के निर्धारण के मुद्दे की जांच की गई है। यह पाया गया था कि गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री कर रही है और बाजार की मांग के आधार पर उत्पादन और बिक्रियों से संबंधित निर्णय स्वतंत्र रूप से लेती है और उनके रिकार्डों में इस संबंध में कुछ भी प्रतिकूल नहीं पाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को संपूर्ण निर्यात बिक्रियां में, फोसान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी (निर्यातक) द्वारा की गई थीं। घरेलू या निर्यात कीमत के निर्धारण में राज्य की किसी संभव भूमिका का कोई साक्ष्य नहीं मिला था। यह पाया गया है कि उपभोक्ता, मात्रा, शामिल उत्पाद के प्रकार आदि के आधार पर कीमतों में बदलाव किए जाते हैं। कंपनी द्वारा यह स्पष्ट किया गया था कि घरेलू या निर्यात बिक्रियों के लिए कोई कीमत सूची नहीं है क्योंकि इसमें बाजार में मौजूद मांग और आपूर्ति की स्थिति के आधार पर उपभोक्तावार परिवर्तन किए जाते हैं।

63. प्राधिकारी ने यह नोट किया कि यह कंपनी लागत संबंधी विभिन्न तत्वों के उचित रिकार्ड रखती है जो उत्पाद के भिन्न-भिन्न प्रकारों और आकारों के उत्पादन की लागत के निर्धारण के लिए आवश्यक हैं। उत्पादन लागत का निर्धारण लागत लेखांकन के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है जो उत्पाद की प्रकृति और उत्पादन प्रक्रिया पर विचार करते हुए तर्कसंगत और पर्याप्त प्रतीत होते हैं। कंपनी वास्तविक लागत को बनाए रखती है। इसके अलावा कच्ची सामग्री, सुविधाओं और अन्य कारकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण उत्पादन लागत में प्रत्येक माह परिवर्तन होते रहते हैं।

64. कच्ची सामग्रियां: यह दावा किया गया था कि कच्ची सामग्रियां खुले बाजार से खरीदी जाती हैं और कच्ची सामग्रियों की खरीद या कीमत निर्धारण में राज्य प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष किसी भी रूप से शामिल नहीं है। यह भी दावा किया गया था कि प्रमुख कच्ची सामग्रियों के प्रमुख आपूर्तिकर्ता न तो आवेदक कंपनियों से संबंधित हैं और न ही राज्य के स्वामित्व वाले

उद्यम हैं । कंपनी के पास किसी कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ता के संबंध में कोई दीर्घावधिक संविदा नहीं है । इसके अलावा, सामग्री को रेत, रसायन, पैकिंग सामग्री आदि समेत विभिन्न सामग्रियों के लिए अनेक आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त किया जा रहा है । यह पाया गया था कि कंपनी ने कच्ची सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं के पर्याप्त विकल्प बनाए रखे हैं और वह बेहतर कीमतें प्राप्त करने के प्रयास करती रही है ।

65. बिजली : यह नोट किया जाता है कि कंपनी ने राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी मै. गुआंगडोंग पावर नेटवर्क कंपनी फोशान नानहाई पावरर सप्लाय ब्यूरो से बिजली की खरीद की है । चूंकि बिजली की खरीद राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों से की गई थी, इसलिए प्राधिकारी ने उन टैरिफ दरों की जांच की जिन पर इस कंपनी को बिजली मिल रही थी । नमूना बीजक एकत्रित किए गए थे और कंपनी द्वारा प्रदत्त टैरिफ को सुनिश्चित किया गया था । यह पाया गया था कि बिजली पर खपत की प्रवृत्ति के अनुसार प्रभार लगाया गया है और संबंधित बिजली आपूर्तिकर्ता कंपनी द्वारा प्रचलित कीमतें प्रभारित की गई हैं । यह भी देखा गया था कि आपूर्तिकर्ता द्वारा प्रभारित कीमत विभिन्न समयावधियों जैसे व्यस्त समय आदि में अधिक थीं और कम व्यस्त समय में कम थीं ।

66. विनिमय दर परिवर्तनों का भी उनकी लेखांकन पुस्तकों से सत्यापन किया गया था और यह पाया गया कि निर्यात प्रेषणों को सौदे की तारीख के दिन प्रचलित विनिमय दर के अनुसार चीन की मुद्रा में परिवर्तित किया गया था । सत्यापन दौरे के दौरान निर्यात बीजकों का सत्यापन यह देखने के लिए किया गया था कि क्या प्राप्त की गई राशियों को उनकी लेखांकन पुस्तकों में दर्ज किया जाता है । प्राधिकारी ने यह अवलोकन किया कि विनिमय दर परिवर्तन मौजूदा दर पर किए गए हैं जो कमोबेश स्थिर रही थी । जहां तक चीन की मुद्रा के अल्प मूल्यांकन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों का संबंध है, कोई सकारात्मक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है ।

67. जहां तक श्रमिकों को नियुक्त करने का संबंध है, कंपनी ने दावा किया है कि उन्होंने रोजगार संबंधी सभी निर्णय लिए हैं । कंपनी के पास कर्मचारियों को रखने की पद्धति के संबंध में पूरी स्वतंत्रता है और उन्हें काफी अल्पकालिक नोटिस पर काम से हटाया भी जा सकता है । श्रमिकों को नियोजित करने के नियम कंपनी और कर्मचारी के बीच हुई श्रम संबंधी संविदा द्वारा सामान्यतः शासित होते हैं । उन्होंने दावा किया कि चीन की सरकार उन्हें आवास, चिकित्सा सुविधा आदि जैसे कोई लाभ प्रदान नहीं करती है । तथापि, कंपनी ने आवास उपलब्ध कराए हैं और उसकी लागतों को लेखांकन पुस्तकों में एक व्यय के रूप में दर्शाया गया है । वेतन प्रत्येक माह दिया जाता है जिसमें मूल वेतन और अच्छे कार्य के लिए प्रोत्साहन शामिल होता है । तथापि, बीमा और आय कर के संबंध में कटौतियों के दावों को पाया गया था ।

68. दिवालिया और संपत्ति संबंधी कानूनों की जांच की गई थी और यह पाया गया कि कंपनी संपत्ति के अधिग्रहण के लिए स्वतंत्र है । कंपनी ने यह दावा किया कि किसी फर्म पर दिवालिया कानून तब लागू होता है जब कोई फर्म दिवालिया हो जाती है और बकायों के

लिपटान के संबंध में ब्योरे दिवालिया कानून के अंतर्गत बनाए गए कानूनों द्वारा शासित होते हैं। चीन के दिवालिया कानून और चीन के संपत्ति कानून के किसी उल्लंघन का कोई साक्ष्य सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान नहीं पाया गया है।

69. **वित्तीय खर्च :** उत्पादन सुविधाओं के अधिग्रहण के समय गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. के पास 6 उत्पादन लाइनें हैं जो 5 मिलियन वर्ग मीटर विक्रीफाइट टायलों का उत्पादन कर सकती थीं। तत्पश्चात् कंपनी द्वारा 3 और लाइनें जोड़ी गई थीं जिनके लिए बाजार की मानक स्थितियों के अनुसार बैंकों से ऋण लिया गया है। यह ऋण बाजार की प्रचलित ब्याज दर पर लिया गया है और बैंकों द्वारा कंपनी को कोई अधिमानी व्यवहार नहीं दिया गया था।

70. **आउटपुट-उत्पादन :** इस बात का सत्यापन किया गया था कि क्या उत्पादन के संबंध में सरकार द्वारा कोई नियंत्रण या हस्तक्षेप किया जाता है। यह पाया गया था कि यह कंपनी बाजार मांग और आपूर्ति की जरूरत के अनुसार संबद्ध वस्तु का उत्पादन करती है। यह स्पष्ट किया गया है कि कंपनी बाजार में मांग और आपूर्ति के अनुसार विभिन्न आकारों और श्रृंखलाओं में उत्पादन करती है। यह देखा गया है कि उत्पादन के ऊपर राज्य का कोई नियंत्रण नहीं है। कंपनी जरूरत और बाजार की स्थिति के अनुसार क्षमता और उत्पादन में वृद्धि कर सकती है। कंपनी जरूरत के अनुसार किसी आकार और प्रकार का उत्पादन करने के लिए स्वतंत्र है और उस पर सरकार का कोई दिशानिर्देश या नियंत्रण नहीं है।

71. **बिक्री मात्रा :** इस बात का सत्यापन किया गया कि क्या कंपनी बाजार में कंपनी द्वारा ली जा सकने वाली कीमत पर वांछित मात्रा में उत्पाद की बिक्री करने के लिए स्वतंत्र है या इस संबंध में सरकार का कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष, स्पष्ट अथवा अस्पष्ट हस्तक्षेप है। यह स्पष्ट किया गया था कि यह कंपनी अपनी स्वयं की कीमत पर बाजार में अपने उत्पाद को बेचती है और इस संबंध में प्रादेशिक सरकार या राज्य का कोई नियंत्रण नहीं है। सत्यापन के दौरान इस दावे के विपरीत कोई बात सामने नहीं आई थी। विचाराधीन उत्पाद के लिए परिशिष्ट-1 के विश्लेषण से यह पता चलता है कि यह कंपनी बाजार की शक्तियों के अनुसार विभिन्न उपभोक्ताओं को घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद को बेच रही है और इस संबंध में राज्य या प्रादेशिक सरकार की कोई भूमिका नहीं है। प्रत्येक आकार के संबंध में आगे विश्लेषण किया गया है जिससे यह पता चलता है कि कंपनी मांग के अनुसार संबंधित उत्पाद के विभिन्न आकारों और श्रृंखलाओं की बिक्री कर रही है।

72. इसके अलावा, निम्नलिखित मापदंडों का सत्यापन किया गया था:

- (i) **परिसंपत्तियों का मूल्यहास -** कंपनी के मूल्यहास संबंधी लेखांकन का सत्यापन किया गया था और यह पाया गया कि कंपनी अपनी परिसंपत्तियों का हास दर्ज कर रही है जो सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में प्रतीत होता है। लेखा पुस्तकों में मूल्यहास को नीति के अनुसार प्रभावित

किया जा रहा है और इसे संगत रूप से लागू किया जा रहा है । कंपनी सभी परिसंपत्तियों पर लेखा पुस्तकों में मूल्यहास को प्रभारित कर रही है । मूल्यहास को उत्पादन लागत के एक हिस्से के रूप में पाया गया है ।

(ii) बट्टे-खाते : यह पाया गया है कि कंपनी क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों और अशोधित ऋणों के लिए बट्टे-खाते की नीति का पालन करती है ।

(iii) वस्तु विनिमय व्यापार : वस्तु विनिमय व्यापार के किसी भी स्वरूप का कोई साक्ष्य सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान नहीं पाया गया था । कंपनी की लेखा पुस्तकें भी वस्तु विनिमय व्यापार का कोई संकेत नहीं दर्शाती हैं ।

(iv) ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान :- ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया था । कंपनी की लेखांकन पुस्तकें भी ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान का कोई संकेत नहीं दर्शाती है ।

सामान्य मूल्य

73. धारा 9 (1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

74. प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 (1)(ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि.(उत्पादक), फोसान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि. (निर्यातक) और मैसर्स अवाकोर्प, हांगकांग (निर्यातक) को निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी। प्रश्नावली के उत्तर में न्यू शिप्स ने निर्यातक प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की थी। जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित सम्मग्री गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. द्वारा उत्पादित थी। इस सम्मग्री का निर्यात फोसान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि., चीन जन.मण.और मैसर्स अवाकोर्प, हांगकांग के जरिए किया गया है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के एक विशेष प्रकार के दो आकारों का निर्यात किया है। उनके घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के सभी आकारों/प्रकारों की संपूर्ण घरेलू बिक्रियों के संबंध में विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई गई है। आवेदकों ने जांच अवधि के दौरान उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के सभी आकारों/मॉडलों/प्रकारों की उत्पादन लागत का अलग-अलग ब्योरा भी उपलब्ध कराया है। मौके पर सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान सौदावार घरेलू बिक्रियों का उनके रिकार्डों से सत्यापन किया गया था। उत्पादन लागत का उत्पादवार सत्यापन भी किया गया था और कंपनी द्वारा रखी गई लेखांकन पुस्तकों से उसे सुमेलीकृत किया गया था। प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू बिक्रियां असंबद्ध प्रकारों को की गई हैं और इन्हें सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए स्वीकार किया गया है। कंपनी के लाभ और हानि लेखा के विश्लेषण से पता चलता है कि कंपनी को जांच अवधि और केलेंडर वर्ष के दौरान संबद्ध वस्तु की बिक्री पर समग्र लाभ हुआ है। घरेलू बिक्रियों पर आधारित सामान्य मूल्य का निर्धारण प्रति इकाई लागत से अधिक बिक्रियों की मात्रा (80/20 परीक्षण लागू करके) पर विचार करने के बाद किया गया है ताकि यह निर्धारित हो सके कि ये बिक्रियां व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हैं। भारत को निर्यातित और घरेलू बाजार में बेची गई विट्रीफाइड टाइलों के मॉडलों/प्रकारों के लिए लाभप्रद सौदों हेतु भारत और आसत कारखानागत घरेलू बिक्री प्राप्ति पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार करने का प्रस्ताव है क्योंकि नुकसान संबंधी सौदों को घरेलू बाजार में बिक्रियों के 20% से अधिक पाया गया था।

75. जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को विट्रीफाइड टाइलों के दो आकारों के भिन्न-भिन्न मॉडलों/प्रकारों का निर्यात किया है। ऊपर वर्णित पद्धति के आधार पर विट्रीफाइड टाइलों के इन मॉडलों/प्रकारों के लिए कारखाना द्वार स्तर पर आकार-वार/मॉडल/किस्म वार सामान्य मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :

आकार	श्रृंखला	सामान्य मूल्य अम.डॉ./वर्ग मीटर
600X1200	सोल्यूबल साल्ट	***
800X800	सोल्यूबल साल्ट	***

निर्यात कीमत:

76. प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक ने परिशिष्ट 2 में जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के बीजकवार/आकार वार ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। निर्यातक ने इनके समर्थन में बीजकों की प्रतिलिपियां भी प्रस्तुत की हैं। परिशिष्ट-3 में आवेदक द्वारा यथा-दावित समायोजनों पर सत्यापित आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है और भारत के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इसकी अनुमति दिए जाने का प्रस्ताव है। मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि. (उत्पादक) से फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि. को वस्तुओं की बिक्रियों का सत्यापन उनके मूल रिकार्डों से किया गया था। भारतीय उपभोक्ताओं को फोशान मोनालिसा इंडस्ट्री कंपनी लि. और अवाकोर्प हांगकांग के जरिए किए गए निर्यात का सत्यापन किया गया था और उनके द्वारा दावा किए गए समायोजनों के साथ उन्हें सुमेलित किया गया था। कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्डों से समायोजनों के उनके दावों से संबंधित ब्यौरों का सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान सत्यापन किा गया था। यह पाया गया था कि निर्यात बिक्रियों की समग्र राशि बैंक के विवरण के जरिए प्राप्त की गई है। भारत को निर्यातित टाइल की प्रत्येक किस्म के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण अलग-अलग किया गया है। तदनुसार परिकलित निर्यात कीमत निम्नानुसार है:

		कारखाना द्वार निर्यात कीमत
		अम.डॉ./वर्ग मीटर
600X1200	सोल्यूबल साल्ट	***
800X800	सोल्यूबल साल्ट	***

77. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। यह पाया गया है कि निर्यातक ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से अधिक कीमत पर किया है और इस प्रकार पाटन मार्जिन का निर्धारण ऋणात्मक रूप से किया गया है।

निर्यात और पाटन मार्जिन

अम.डॉ./वर्ग मीटर

निर्यातक		कारखाना द्वार निर्यात कीमत	सामान्य मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन(%)
600X1200	सोल्यूबल साल्ट	***	***	***	***
800X800	सोल्यूबल साल्ट	***	***	***	***
भारित औसत पाटन मार्जिन					-4.87%

अंतिम जांच परिणाम और प्राधिकारी की सिफारिशें

78. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि

- i) जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों, जो मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन द्वारा उत्पादित और मै. फोशान मोनालिसा इंडस्ट्रीज कंपनी लि., फोशान, चीन और मै. एवाकॉर्प, हांगकांग द्वारा निर्यातित हैं, की निर्यात कीमत उसके सामान्य मूल्य से अधिक रही है।
- ii) अतः प्राधिकारी यह सिफारिश करते हैं कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाली विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों जो मै. गुआंगडोंग मोनालिसा सेरामिक कंपनी लि., फोशान, चीन द्वारा उत्पादित और मै. फोशान मोनालिसा इंडस्ट्रीज कंपनी लि., फोशान, चीन और मै. एवाकॉर्प, हांगकांग द्वारा निर्यातित हैं, के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाए।
- iii) केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NEW SHIPPER REVIEW NOTIFICATION

New Delhi, the 27th February, 2009

FINAL FINDINGS

Subject : New Shipper Review (under Rule 22) of Anti-Dumping duty imposed on imports of Vitrified/Porcelain Tiles requested by Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd. (Producer) and Foshan Monalisa Industry Co. Ltd. (Exporter) through Avacorp, Hong Kong (Exporter).

No. 15/10/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof,

PROCEDURE:-

The procedure described below has been followed.

1 M/s Guangdong Monalisa Ceramic Co. Limited, Foshan, China PR, the producer and Foshan Monalisa Industry Co. Limited the exporter, filed an application and requested the Designated Authority for determination of individual dumping margin under Rule 22 of the Rules and to initiate a 'new Shipper' review of notification no 37/1/2001 dated 4.2.2003.

2. The applicants claimed that they are not related to any of the exporters/producers in China PR subject to anti dumping measures in force with regard to product concerned. Furthermore, they claimed that they have not exported the product concerned during the period of investigation of original investigation. The Authority prima facie examined the information submitted by the applicants and considered sufficient to justify the initiation of a new shipper review investigation in accordance with the provisions of Rule 22 of Anti Dumping Rules.

3. The Designated Authority initiated the New Shipper Review on the basis of request made by Guangdong Monalisa Ceramic Co. Limited, and Foshan Monalisa Industry Co. Limited, under Rule 22 vide notification no. No.15/10/2006-DGAD dated 31st January, 2007. A corrigendum to the initiation notification was issued on 22nd March, 2007 incorporating the name of the Hong Kong based Exporter, Avacorp, .

4. The aforesaid new shipper investigation was initiated in the matter concerning import of Vitrified / Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR and UAE where the Designated Authority vide its final finding no. 37/1/2001-DGAD dated 04.02.2003 had come to conclusion that

- (i) Vitrified/ Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
- (ii) The Indian industry has suffered material injury;
- (iii) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject counties.

5. The Central Government imposed anti-dumping duty vide Notification No. 73/2003-Customs, dated 1.5.2003, in the original investigation on imports of vitrified and porcelain tiles from UAE and China PR, other than vitrified industrial tiles, falling under Chapter 69 of Customs Tariff Act, with effect from the date of imposition of the provisional anti dumping duty i.e., 2.5 2002;

6. The Authority recommended provisional assessment of all exports of Vitrified / porcelain tiles by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR through Foshan Monalisa Industry Company Limited and through Avacorp, Hong Kong till the completion of the review initiated in accordance to the Rule 22 of Indian Anti Dumping Rules and having regard to the Notification no.73/2003-Cus dated 1.5.2003;

7. The Ministry of Finance issued notification on 9th March, 2007 implementing the decision of the Designated Authority vide notification No-38/2007-Customs, which was subsequently amended vide notification No-60/2007-Customs dated 30th April, 2007 which inter-alia provided that pending the outcome of the review by the Designated Authority, all imports of vitrified/ porcelain tiles other than vitrified industrial tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan , China PR through Foshan Monalisa Industry Company Limited and through Avacorp, Hong Kong would be subjected to provisional assessment till the review was completed.

8. The Authority sent a copy of exporter questionnaire and market economy questionnaire to the applicant to elicit relevant information. The Authority sought and verified all information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping margin. The Authority conducted on-the-spot verification of the data furnished by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR (Producer), Foshan Monalisa Industry Company Limited, China P.R. (Exporter) and M/s Avacorp, Hong Kong (Exporter).

9. The period of investigation in this new shipper review investigation is 1st February, 2007 to 31st July, 2007 – 6 months for dumping margin determination.

10. The Authority officially intimated the authorities of the exporting countries of the initiation of the new shipper review investigation and gave an opportunity to all the interested parties concerned to make their view known in writing within 40 days from the expiry of the PO i.e. 1st Feb 07 – 31st July 07.

11. The Authority provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally in the public hearing held on 3rd June, 2008. All parties who attended the hearing and presented the views orally were requested to file written submissions. The parties were also advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties in their submissions and offer rejoinders, if any.

12. Subsequent to the public hearing domestic industry filed their comments and the same was exchanged with the applicant.

13. The Authority made available the public file as per Rule 6(7) of the Rules containing non – confidential version of the information submissions made by various interested parties.

14. **** in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules. The information concerning prices and costing filed by respective interested parties claimed confidential and the Authority treated these as confidential.

Product under Consideration

15. The product under consideration in the original investigation and sunset review is "Unglazed tiles in polished or unpolished finish and

Glazed Porcelain / Ceramic tiles both with less than 3% water absorption (commonly known as Vitrified Tiles / Porcelain Tiles)" (also referred to as subject goods). Glazed and unglazed tiles are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc. All types of subject goods are classified within chapter heading 69. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

16. The product under consideration in this investigation is a Vitrified/Porcelain tile as determined in the original case, i.e., "vitrified/porcelain tiles". There is no argument made by any of the interested parties on the product under consideration and like article. It is noted that the Vitrified/porcelain Tiles produced by the domestic industry is 'like article' to Vitrified/porcelain Tiles being exported by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co. Limited, Foshan, China PR (Producer), Foshan Monalsia Industry Company Limited, China P.R. (Exporter) and M/s Avacorp, Hong Kong (Exporter). within the meaning of the Rules. In view of the foregoing, the Authority holds that product under consideration in the present investigations is the same as considered in the original investigation i.e., "Vitrified/Porcelain Tiles", classifiable under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975.

Views expressed by interested parties and examination by the Designated Authority

17. View of the Applicants: -

(a) The applicant had earlier presented a paper book at the time of oral hearing. The paper book may kindly be considered as an integral part of the present submissions. The information in the paper book is referred to and relied upon for the purpose of the present submissions.

(b) Role of Indian producers in a new shipper review is extremely limited, given that the purpose of review investigation is quite limited. Applicants refer to the practice of the EC, where first opportunity to the EC domestic industry was provided at the stage of disclosure statement.

(c) The Applicants are entitled to determination of separate anti dumping margin under the provisions relating to new shipper review. The applicants or any of their related companies have not exported the subject goods during the period of original investigation. Unambiguous declaration was made by the applicants in this regard. The company was not limited to applicant companies, but extended to all their group companies.

(d) The petitioner earlier submitted that they had not exported the product to India during the period of investigation of the original investigation nor any of the applicant companies were related to any of the exporter or producers in the exporting country who had exported in that period.

(e) The applicant received a letter dated 10th March 2008 stating that a complaint has been made claiming that M/s Nanhai City Qiaodong Ceramics Co. Ltd. (Monalisa) has exported the subject goods during the original period of investigation through a trader in Hong Kong. The matter was re-examined by the applicant companies and it was found that there were indeed no exports made by the company either directly or through a trader in Hong Kong.

(f) The applicant considers that the Authority holds a bogus complaint has been made by some party with vested/ ulterior interests. It is evident that several parties have vested interests. The Authority may kindly ignore such bogus complaints. In any case, the applicants reiterate their willingness to provide any specific documents, which the designated authority required in this connection.

(g) Even though no arguments have been made by any party, the applicant submits that the Hon'ble High court has vide their decision dated 14th May 2008 upheld the views of the Designated Authority with regard to prospective period of investigation, disagreeing with the views of Hon'ble CESTAT in this regard. Further, Designated Authority has filed an SLP against the order of the Hon'ble CESTAT. In any case, the argument of HRJ in this regard has remained unsubstantiated inspite of so many new shipper review cases and the fact that significant volumes have been imported into India after previous exemptions granted by the Designated Authority.

18. Views of H. R. Johnson, a domestic industry

- a. The domestic industry has submitted that the excessive confidentiality has been claimed on certain documents and no reasons provided as to why the information on which confidentiality has been claimed and apparently allowed was not susceptible to summarization. The applicants have claimed the following as confidential, which prevented the DI from filing proper submission:
 - i. Application with all annexures seeking New Shipper Review initiation;
 - ii. Various letters possibly filed in 2006;

- iii. Any other letters issued by the Designated Authority and response if any received from the new shipper.
- b. The Authority does not inform the DI in time that the authorization letter for the APJ-SLG was not on record. If we were informed in time, a situation will be avoided where we could not make any submission during the hearing.
 - c. The amendment to initiation notification was bad as full documentation of contractual arrangement and fresh declaration of relationship was not made.
 - d. No details provided regarding the exports by the new shipper prior and after the amendment initiation notification.
 - e. Has the designated authority called upon the importers to file his questionnaire response to cross check information filed by the new shippers and has the import statistics have been called from Customs to cross check prices actually declared to Customs.
 - f. The period of investigation chosen for sunset review was larger than the present new shipper review. In such circumstances, no purpose could have been achieved by grant of individual dumping margin, as the new shipper would have been under an obligation to participate in sunset review proceeding to claim his fresh individual dumping margin. The period of investigation chosen for this investigation could have been covered along with the period of investigation of sunset review. We are not in position to appreciate the reasons for grant of such special status to the present new shippers.
 - g. The initial declarations about pre-conditions for initiation of new shipper investigation were wrong and misleading and material information having a direct bearing on the maintainability of the present proceedings has been suppressed from the authority.
 - h. New shippers have got the initiation done by mis-declarations and falsification of records and withholding of material information, which would have had a direct bearing on the determination of the Designated Authority for initiation of the present case.
 - i. By granting the prospective period of investigation, the present initiation is contrary to Rule 22 and against the principles of judicial discipline and doctrine of precedents.
 - j. The new shippers from China are operating as a group under other names and have more than one factory disclosed in the present questionnaire response. The authority has been misled about their manufacturing operations of subject and non-subject goods.
 - k. Our intelligence and other information from China indicate that the producer does not operate under the name for which it is seeking new shipper review.
 - l. As per the website, the producer has claimed itself to be manufacturer and exporter set up in 1992 while in response they have claimed that they have no exports. No disclosure of set-up date provided to the interested

- parties. The relevant details may be obtained for examination of pre-condition of Rule 22 and Para 7 of Annexure – 1 of the Rules.
- m. The exporter from Hong Kong while filing questionnaire response mis-declared their address. We have specific information that another company is operating from the same premises and this entity has the same telephone numbers. The relationship with this company has not been disclosed. They even not mentioned as to what business they are engaged in as even after filing of the questionnaire response it is not clear what role they play and who compensate them.
- n. Since the applicants have not come before the authority with clean hands and with some ulterior intentions, the present case deserves to be terminated at this stage itself. They also failed to satisfy the preconditions required to be satisfied before initiation of the case as no declaration has been filed as required under Rule 22.
- o. Conditions of Rule 22 not satisfied: There was no material before the Hon'ble Designated Authority to even prima facie satisfy itself that the pre-condition for new shipper review were duly satisfied.
- p. The common questionnaire response filed by the new shippers review is grossly inadequate and unsubstantiated due to the following:
- Mandatory certification of information contained in the questionnaire response not filed.
 - Excess confidentiality claimed.
 - List of shareholders kept confidential without stating reasons.
 - Claim that the goods produced or sold in the domestic market remains unsubstantiated.
 - The producer has not placed any evidence in support of their claim that there is no difference between the goods exported to India and to other countries.
 - They ought to have provided grade-wise information without which no proper comparison can be undertaken by the authority.
 - No details about the trading arrangements are disclosed.
 - NCV of details of exports to India not provided.
 - Catalogues & brochures issued by the company not provided.
 - No details about channel of distribution by two exporters are provided in the home market.
 - Each of the new shipper has not provided negotiation process in home market and export to India. It is not clear whether Hong Kong is only a commission agent or there is a sale between the Hong Kong entity and the Indian customer. The financial flow is also not clear.
 - NCV of complete set of documents generated/ received in case of sales in home market and export to India not provided.
 - The question on availability of price list not answered.
 - Appendices 1 & 2, 2A, 2B, 3, 3A, 3B & 3C not available with the questionnaire.
 - No response filed to the question that whether exporter from Hong Kong is selling subject goods in Hong Kong.

- Answers to questions under Section C are misleading.
- Table relating to Investments has been claimed confidential and no NCV has been filed.
- Reasons for claiming confidentiality on balance sheet are not disclosed. NCV of the balance sheet is also not filed.
- Information on statutory regulations also not disclosed.
- By mentioning that Hong Kong Company follows Chinese GAAP, exporters have made mockery of the system of filling of questionnaire response.
- The same response to question 7 Section E has been given for trading and producing company leading to absurd conclusions.
- A copy of annexure showing the manufacturing process & production flow chart not provided despite the fact that the same is not claimed confidential.
- Annexure 5, 7, 8, 8A, 8B & 8C not attached to the response though no confidentiality has been claimed on them.
- The full information regarding the inputs and production of the company not disclosed.
- No confidentiality has been claimed on the trading and Profit & Loss Account and balance sheet/ annual reports/ directors report but the same are not attached.
- No response has been filed to Section K.
- q. The producer could have provided certificate of incorporation and certificate of commencement of business in support of its claim at the time of making the application to substantiate what was stated in the application.
- r. Producer has not stated that whether it is the new plant or has been an old plant taken over from a producer who was subject to the original dues. It is very important in view of the fact that the new shipper review is initiated only for the new exporter but not the exporter who were party to the original investigation or exported the subject goods in the period of investigation of the original investigation or were subject to original duties. The mere change in name and legal status does not entitle a person to be eligible for a new shipper review.
- s. Our web research shows that the new shipper were in existence even prior to initiation of the original investigation.
- t. The name of the importer in India or his details was not disclosed for the authority to cross check such claims made in the Application seeking new shipper review.
- u. No indication about the quantities proposed to be exported was provided for the authority to examine whether such applicants were serious players in this business or were merely looking the ways and means for circumvention of duties already imposed.
- v. In terms of Rule 22, only the exporter from exporting country in question can request for the separate determination of dumping margin. The

combination determination for more than one entity is not envisaged under the rules.

- w. Rule 22 has been abused.
- x. As per Rule 22, a case for new shipper review cannot be initiated each time an application is received from a new shipper. It may be noted that the authority may decide to initiate cases for new shippers annually or semi-annually or based on a periodical basis fixed by the authority. The term 'periodical' has been used by the Legislature in contrast to 'promptly'.
- y. We are not commenting on the NME response and other information, as they cannot be granted individual treatment.
- z. The new shippers have claimed excessive confidentiality in their common response. The new shippers have not disclosed the reasons for such claims of confidentiality on almost all documents. There are also no reasons provided as to why the information on which confidentiality has been claimed and apparently allowed in not susceptible to summarization.
- aa. The proceedings are hence without jurisdiction and must be terminated at the earliest.
- bb. In their rejoinder submissions, the domestic industry has mentioned that written submissions of the applicants are undated.
- cc. In their rejoinder submissions the domestic industry has again reiterated the views as stated by them in written submission, as summarized below:
 - i. Present initiation is contrary to requirements of rule 22 and bad in law.
 - ii. Since no submissions are made by the applicants in support of its case to be granted the benefit of Rule 22 or for grant of MET, we are not in a position to file any meaningful submissions.
 - iii. The new shippers have not given a declaration that they are not related to any exporters or producers in China who are subject to the anti-dumping duty. The designated authority was mis-led while seeking present initiation by filing false and mis-leading declarations. The designated authority must in addition to pre-condition of Rule 22 examine whether there is any circumvention being attempted under the guise of Rule 22.
 - iv. The present exporter and the producer in China are being controlled by other entities who are subject to duties and such relationship has been suppressed from the Authority. Our research shows that there is enough material to indicate that the present entities have been created only to circumvent the anti-dumping duties.
 - v. Any proceeding under Rule 22 has to establish itself as an exporter before he can seek an individual dumping margin. Any proceeding under Rule 22 which is based on a prospective period of investigation is contrary to Rule 22 as per the ruling of the Hon'ble Tribunal.

- vi. We had sought information/ documents/ data in our letter dated 4.6.08 and written submission dated 9.6.08. The same have not yet been provided to us.
- vii. Following additional documents referred to in the written submissions of the new shipper may also be provided:
 - Paper book presented at the time of oral hearing.
 - Letter dated 10.3.08 and copy of complaint received by DA.
 - Letter dated 25.3.08 together with annexures.
 - Letter dated 5.4.08 giving factual position.
- viii. The para-wise preliminary rejoinder to written submissions of the new shippers are as under:
 - i. In para 2, there is some reference to petition filed earlier, a copy of which have not been provided.
 - ii. The request and communication which necessitated issue of amendment notification are also not provided to us.
 - iii. The present authorized representative was telephonically called upon to attend the hearing when the hearing was already going on. Under such circumstances, we could not make any submissions during the hearing.
- a. The new shipper have prayed for treating paper book presented during hearing as integral part of the present submissions. Without prejudice, to submissions made in this para we submit that since the paper book has not been provided or attached with the present submissions, the same cannot be treated as integral part of present submissions.
- b. The oral submissions made on the paper book handed over to the designated authority cannot be taken into consideration and ought to be rejected.
- c. No notice of hearing or notice of initiation was send to any of the domestic producer.
- d. The group has many entities operating under different names according to web prints. They have not approached the Designated authority with clean hands as apparently the sole object is to circumvent duties by withholding material information.
- e. The documents relating to the complaint received by the Authority claiming that M/s Nanhai City Qiaodong Ceramics Co. Ltd. (Monalisa) has exported the subject goods during the original POI. This entity has also not been called upon to file its export data duly certified for the authority to examine whether there was any export by them to India during the original period of investigation.
- f. The applicant new shipper has to establish before the authority that it has made previous exports and such exports had been made at prices which were above the normal value. If the period chosen for investigation is a prospective period it is open to the new shipper applicant to manipulate

his prices which will be the basis of the investigation and which would lead to erroneous conclusion of non-dumping,

- g. It is wrong and denied that the Hon'ble High Court has vide decision dated 14.5.08 upheld the views of the Designated Authority with regard to prospective period of investigation by disagreeing with the views of Hon'ble CESTAT. The observation made in interim order of Hon'ble Delhi High Court clearly goes to show that the observations made in the interim order were on a prima facie basis.
- h. The DA is bound by CESTAT decision in H&R Johnson (India) Vs. DA. The Hon'ble High Court has not set aside the same and hence the same holds the field till such time the same is either stayed or set aside by the Hon'ble Supreme Court.
- i. The applications filed by the applicant bringing out the grounds under which the applicants have sought new shipper review are not available in the public file and have not been provided to us.
- j. The basis on which market economy treatment has been claimed by the new shipper has not been stated in the submissions made by the new shipper. The exchange rate in China is controlled by the Chinese Govt. and is admittedly kept at an artificial controlled level. The evidences indicates that manipulation of the currency by the Chinese authorities distorts the complete market dynamics of carrying out transactions at fair values based on commercial principles. The authority could not have examined state ownership for group companies for whom no information has been filed.
- k. The DA may at the earliest issue final finding terminating the investigation in view of our submissions and withdraw the exemptions granted to the new shippers.
- l. We once again request the Designated Authority to seek import data from customs for the original period of investigation with names of all exporters and also import data for the present new shippers for the period of investigation fixed for the present proceedings.
- m. No data duly certified has been submitted by admittedly related companies about when they were set up and their total exports countrywise. In absence of which the authority cannot examine and reach a conclusion that none of the affiliates have directly or indirectly exported the subject goods during the original investigation. The accuracy of the information has not been examined in terms of requirements of Rule 8. Evolution of entity from Hong Kong entity is also suspect.
- n. The DA cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the DA subsequent to the case of Reliance Industries Vs. Designated Authority.
- o. We also pray that a copy of rejoinder submissions filed by the new shippers may be provided to us to be in a position to file effective comments to disclosure statement which is likely to be issued. Without prejudice to the above, we also request the authority to kindly provide us

verification report and seek our comments before proceeding further with the investigation.

- p. In the present case, Monalisa Industry Co. Ltd. is listed as a producer of subject goods on a Ministry of Commerce web site a fact that has been suppressed from the DA. We are confident that the Hon'ble DA would not let such conduct be rewarded.
- q. We noticed that the DA takes on record new responses and entirely new information during the verification or after oral hearing. This deprives the interested parties an effective opportunity as contemplated under the law.
- r. In the aforementioned circumstances, it is requested that the exemption granted to Applicants may be withdrawn immediately and they may be compelled to pay the anti-dumping duties otherwise applicable to all other non-cooperative exporters from China. Strict action may also be taken against the importers in India for being party to such serious fraud on the revenue and a cause of serious injury to the domestic industry.

19. **Views of Builders' Association of India**

The Builders' Association of India made the following written submissions:

- a. Uniform reference price can't be arrived at for all vitrified tiles which can be quite dissimilar to each other on various counts – sizes, design, method of decoration, etc.
- b. It would be uncalled for to club together different grades and types of vitrified tiles and then establish a benchmark reference price common to all of them.
- c. The first and foremost requirement is the identification of different varieties/ types of vitrified tiles being manufactured within and imported into the country and then to do an analysis of dumping, injury and causal link for similar varieties. By ignoring this basic factor, the entire process itself has been distorted at the very outset and the findings, therefore, lead to incorrect and illogical conclusions.
- d. Domestic manufacturers have themselves admitted, during 2002-03 that their sales' volume as well as realizations have gone up. If it is so, how can they claim to have suffered injury on account of imports?
- e. The availability of imported products has been a boon to the Indian consumers and has played a role in substantially expanding the market for vitrified tiles.
- f. Rather spending considerable time and efforts seeking undue and undeserved protection from natural market forces, local manufacturers would do better to utilize their energies in becoming more efficient producers and marketers.
- g. The imposition of anti-dumping or any other protectionist duties would be a retrograde step and we would continue to

express our opposition to such a move, unless and until some of the basic issues raised above have been duly considered and suitably addressed.

Examination by the Authority

20. The Designated Authority initiated new shipper review keeping in view the provisions of the anti dumping rules, which are reproduced below:

"Rule 22: (1) If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product.

(2) The Central Government shall not levy anti dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act, on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule:

Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee form the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of initiation of the review".

21. Rule 22 clearly specifies the circumstances under which a new shipper investigation can be carried out for the purpose of calculating individual dumping margin. Individual dumping margin in respect of any exporter or producer from the exporting country in question can be determined provided the following two conditions are satisfied;

(a) that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of investigation and,

(b) that exporter or producer shows that they are not related to any of the exporter or producer in the exporting country who are subject to the anti dumping duties on the product concerned.

22. It is evident from the above that the intention of Rule 22 is to determine individual dumping margin in respect of an exporter or producer

who did not export the subject goods in the period of original investigation. Since such producers/ exporters did not export subject goods in the period of original investigation, the Designated Authority could not have determined dumping margin in respect of their exports at the time of original investigations. The purpose of the new shipper review provision is therefore to provide an opportunity to such an exporter to claim their own dumping margin considering that these exporters have been granted residual dumping margin during the original investigations.

23. In the instant case, the following applicants made the application for new shipper review:

- i) Guangdong Monalisa Ceramic Co., Ltd. (Producer)
- ii) Foshan Monalisa Industry Co., Ltd. (Exporter)
- iii) Avacorp, Hong Kong (Exporter)

(a) In their application, the applicants made, inter-alia, the following claims: -

- (a) That the applicants had not exported the material during the period of original investigation;
- (b) That the applicants were not related to any exporter or producer who had exported during the period of original investigations.

24. The Designated Authority in the present case on the basis of information filed by the applicant found that the exporter or producer has not exported the product under consideration during the period of investigation and provided certification that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subjected to anti dumping duties. The Authority also did not find any adverse material regarding their claim of a new shipper.

25. During the course of investigation, it has been observed that M/s. Guangdong Monalisa Ceramics Company Limited is related to M/s Nanhai City Qiaodang Ceramics Co. Ltd. it was stated that M/s. Nanhai City Qiaodang Ceramics Co. Limited was a State owned Company, producing Vitrified Tiles and other tiles. The company was purchased by the management of M/s. Guangdong Monalisa Ceramics Company Limited, a company established in Oct., 1998. However, the production and sale was brought under the books of Guangdong Monalisa Ceramics w.e.f. January, 2002. Between Oct., 1998 and January, 2002, the production and sales of subject goods were being accounted for in Nanhai City Qiaodang Ceramics Co. Ltd. In support of statement of the company, the copies of relevant documents are submitted by the applicant:

26. Claims with regard to eligibility of the applicant as a new shipper were examined whether the company has directly or indirectly exported the product to India in the original investigation. The applicants were asked to establish their claim that the company or any of its related company had not exported the product concerned to India in the investigation period of the original investigation. It was stated that for exporting any product from China, a customs registration is required. This customs registration was not available with the applicants or any of its related entities in the entire group. The applicants were asked to show all sales invoices for the original POI and VAT return for each of the month of POI. The material did not show that either the applicant company or Nanhai City Qiaodong Ceramics Co. Ltd had any exports to India during this period. The applicant provided VAT return for each of the months of the POI, which also did not show any sale without VAT payment or any sale where the company obtained VAT rebate. In particular, it was shown that the VAT Return provides for reporting (a) export goods free of tax sales amount, (b) VAT on exports. It was shown that the amounts in these columns for all the months of the POI were nil, thus indicating that Nanhai City Qiaodong Ceramics Co. Ltd had no exports during the period of original POI.

Other Issues

27. With regard to various procedural issues raised by HR Johnson, the Authority notes as follows:

- i. The Authority has informed the M/s H&R Johnson, domestic producer on record regarding the initiation and public hearing. The Authority is however under no obligation to inform any consultancy firm about the case proceedings. The Authority further notes that authorization was filed by APJ-SLG subsequently.
- ii. The Authority collected all the relevant information considered necessary for the investigation.
- iii. With regard to the Indian importer, it is noted that details of imports made by the importer during the POI were provided on confidential basis. The Authority has allowed confidentiality of the same, considering that this constitutes business sensitive information.
- iv. The domestic industry has submitted that in the circumstances of the period of investigation chosen for sunset review was larger than the

present new shipper review, no purpose could have been achieved by grant of individual dumping margin, as the new shipper would have been under an obligation to participate in sunset review proceeding to claim his fresh individual dumping margin. They further stated that the period of investigation chosen for this investigation could have been covered along with the period of investigation of sunset review and therefore we are not in position to appreciate the reasons for grant of such special status to the present new shippers. Authority notes that NSR was initiated prior to initiation of sunset review. It has also been noted that POI for NSR was different and for subsequent period than that of SSR.

- v. The domestic industry has not provided any material evidence in support of their statement that initial declarations about pre-conditions for initiation of new shipper investigation were wrong and misleading and material information having a direct bearing on the maintainability of the present proceedings has been suppressed from the authority.
- vi. There is no basis on the allegation that the fixation of prospective period of investigation provides an opportunity to an exporter to plan their normal value or export price. No evidence has been provided establishing that either the normal value or the export price was doctored in any manner. In this regard, Hon'ble High Court in its decision dated 14th May 2008, while disposing off writ petition opined that the language and intention of rule 22 of the Anti-dumping rules does no prima facie, support the conclusion arrived at by the Tribunal. However, the Designated Authority has filed an SLP against the orders of Hon'ble CESTAT on the issue of prospective period of investigation.
- vii. The applicants provided business license of the applicants, i.e., M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR (Producer), Foshan Monalsia Industry Company Limited, China P.R. (Exporter) and M/s Avacorp, Hong Kong (Exporter) before initiation of investigation (as amended) and the information has in no way established that the initiation or investigation is vitiated.
- viii. The Authority notes that the Authority has prima facie satisfied itself with the fact that the applicants satisfied the contentions laid down under Rule 22 before initiating the new shipper review investigations. The detailed investigations have been carried out after initiation in order to establish whether the applicants ~~fully satisfied the requirement~~ laid down under rule 22 and to determine the individual dumping margins.

- ix. The investigation has shown that old company had been acquired. the Authority has not found any evidence that there have been any exports by the old entities during the original period of investigation.
- x. With regards the submissions made in respect of Hong Kong exporter, the Authority has noted that there are other companies also operating at the same premises.
- xi With regards to the issue that no indication about the quantity proposed to be exported was provided to the Authority, it is noted that there is no requirement to pre-decide the volume of exports proposed to be made by the applicants.
- xii As regards the argument that the Authority is required to conduct periodic reviews, the Authority notes that the CESTAT has already decided this issue.
- xiii With regards to any possible departure of new shipper review under rule 22 from WTO Agreement, the Authority does not consider that there is any conscious and serious departure from the WTO Agreement with regard to new shipper review investigations in the Indian law.
- xiv With regard to the argument made by the domestic industry that producer has not place any evidence in support of their claim that there were no difference between the goods exported to India and to other countries, it is noted that the new shippers have filed the information in the form of Appendix 1 & 2 respectively containing details of sizes/grades on a transaction to transaction basis. They have filed information regarding transaction-to-transaction details of exports to countries other than India also indicating the names of the country.

Examination of the issue of Confidentiality

28. The Designated Authority notes that M/s H R Johnson has raised issue of confidentiality of information by the applicants at various places in their written submissions filed subsequent to the oral hearing and also in its rejoinder submissions. The Designated Authority notes that the Hon'ble CESTAT in their order dated 19.5.2005 in the matter concerning H R Johnson v/s. Designated Authority dated 19.5.2005 has observed that:

- i) In terms of Rule 7(1) information submitted on a confidential basis shall be treated as confidential only when the Designated Authority is satisfied as to its confidentiality.

ii) The Designated Authority is not required to mechanically treat the information provided by a party as confidential merely because that party has desired it to be kept confidential.

iii) The Designated Authority has to be satisfied about the confidentiality of the information on the basis of various factors such as nature of the information and whether such type of information is by law custom, usage or practice treated as confidential.

iv) The Designated Authority has not passed any formal order in the matter of confidentiality in this particular case.

29. The Authority notes that Rule 7(1) provides that the Designated Authority shall treat any information submitted on a confidential basis as confidential upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality. Rule 7(1) also enjoins a duty on the Designated Authority that if the Authority is satisfied about its confidentiality, such information shall not be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

30. Further, Rule 7(2) states that the Authority "may" require the parties providing confidential information to furnish non-confidential summary thereof. It also provides that if such confidential information is not susceptible of summary, the interested party may submit a statement of reasons as to why summarization is not possible.

31. Further, Rule 7(3) provides that if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or where the supplier of the information is unwilling to make the information public or authorize its disclosure in a generalized or summary form, the Authority may disregard the information.

32. In the light of the above, the Authority has examined the confidentiality claim of the applicant by taking into account submissions made by interested parties. After examination the Authority has considered the information mainly relating to customers, cost and financial is confidential.

Submissions by M/s H&R Johnson (India) Limited after Disclosure Statement & Examination by the Authority

Following issues have been raised:-

33. It has been alleged "in the disclosure statement that domestic industry was notified about initiation. None of the producers in India received any such intimation about initiation though names of most of them were

available on record of the Designated Authority through the Sunset Review Investigations. In past cases, intimation about the proceedings was sent to the registered authorized representatives of the Domestic Industry. In a complete turnaround the Designated Authority has in the present case recorded that they are under no obligation to inform any consultancy firm about the case. It is but natural, that the authorized representatives would file an authorization after the intimation is received". The Authority has noted that all interested parties were intimated about the initiation. However, it is not desirable to intimate the consultant to intimate the initiation unless the interested parties authorize the consultant to make submissions on their behalf. It is not clear under which provision of law the right vested in APJ-SLG to demand that they should have been intimated about the initiation. The Authority do not recognize any independent right of this law firm.

34. Paper book filed by the exporter was not available in the public file. It has also been stated that copy of the rejoinder statement and written statement by builder association was not given to the domestic industry. In this regard, the Authority has noted that paper book by the new shipper was submitted to the Designated Authority, as confidential, at the time of public hearing. Subsequently, while submitting the written statement it was stated that the paper book may be made part of the written submission. The paper book, thereafter, was placed in the public file. Regarding copy of the rejoinder and written statement by builder association, it has been noted that these are available in the public file. It has further been noted that the domestic industry has not inspected the public file after 10.6.08. However failure to inspect Public File maintained as per rule 6(7) does not bestow right on interested parties or their consultant that information is to be sent to them individually.
35. It has been stated that verification report was not kept in the public file. In this regard, it has been noted that the verification report of the export contain a lot of confidential information and discussions. The same cannot be placed in the public file. However, information about the verification conducted was placed in the public file.
36. It has been stated that deficiency letters or correspondence exchanged with the new shipper were not available in the public file. In this regard, the Authority notes that all correspondence before initiation of investigation is kept confidential however after initiation of investigation application and other major submissions are made available in the public file. However, it is practically not possible to place all the letters in the public file which may not have major bearing on the investigation.
37. It has been alleged that conclusions have been drawn on the basis of

claim made by the new shipper without referring to the material placed on record. In this regard, the Authority has noted that conclusions have been drawn on the basis of verified data and material. Mere statements and allegations which have not been substantiated with any documentary evidence have been ignored. It has been further stated that information provided by the domestic industry in written statement/rejoinder have not been taken into consideration. In this regard, it has been noted by the Authority that web based information submitted earlier contained lot of irrelevant and information not related to the applicant. However, available information was kept into view while conducting the investigation. In this regard, further it has been noted that a complaint was received purported to be submitted by an association. Subsequently, on enquiry made by the Authority, it was noted that the same was not filed by that association. As the complaint contains some factual information, the same was verified from the record of the exporter to ascertain the veracity of the information. It has been stated by the domestic industry that VAT return is not sufficient to prove that no sales were made to India during the original POI. In this regard, the Authority has noted that to examine the VAT return was one of the methods to ascertain whether any sale was made by the exporter to India during POI. Further, invoices were also checked on random basis to ascertain whether any export was made. After examination, no material came to the notice of the Authority indicating that any export was made by the applicant during the original POI

38. It has been stated that no examination appears to have been undertaken to examine the statement 'Monalisa Ceramics Company Limited of Guangdong is one of the several key hi-tech enterprises of the National Torch Programme'. In this regard, it has been noted that the investigation was conducted in accordance with rules to ascertain whether the company was working in accordance with market economy. In this regard it is further noted that as per information available on web, the programme *promotes commercialization, industrialization and internationalization of new and high technology research results in conformity with the laws of market economy.*
39. It has been stated that DI had raised objections about filing a common questionnaire by all three new shippers and requirement of certification. The same have been ignored and no findings have been recorded. The Authority note that it is a procedural requirement to seek the adequate information from the applicant. The Authority if the need arise could have called this information separately.
40. It has been stated that non-disclosure of information about the related party M/s Nanhai City Quiaodang Ceramics Co.. alone ought to have formed the basis of termination of the present proceedings. In this regard,

the Authority has noted that investigation of the New Shipper Review was initiated on the basis of declarations and back-up material. If at any stage the declaration are found to be false or it was established that the applicant or related party had made any export during the original POI that would have led to termination of the investigation. Consequently the applicant would have been asked to pay the custom duty on the imports made after the initiation of the investigation. As has been noted above, no material has come to the notice of the Authority indicating that any export was made by the applicant or related party during the original POI.

41. It has been stated that the information about the participation of the importer has not been provided. The Authority in this regard has noted that the application was filed by the producer/exporter in China PR and trader/exporter in the Hong Kong. However, at the time of application, a distribution arrangement submitted indicating name of four parties involved in the exports and imports. Therefore, the sale invoices of parties in the distribution arrangement were verified to rule out any compensatory arrangement and to ascertain correct export price. Nothing has been noticed indicating that any loss was made during the sales transactions. Apparently full-fledged response on the prescribed format was not called from the importer.
42. It has been stated that number of companies are operating from the same address as that of M/s AVACORP in the Hong Kong. In this regard, the Authority noted that the AVACORP (an intermediate trader/exporter in the arrangement) work from the address provided by the applicant, though other companies also operate from the same address. The Authority did not find any legal infirmity about the AVACORP working from the address whether other companies also operate.
43. The initiation of investigation is bad in law and contrary to Rule 22. In this regard, the Authority has noted that the initiation of a New Shipper Review is done on the basis of declarations by the applicant that no exports were made by the applicant or related parties during the original POI. and supporting evidence submitted in this regard. The Authority has followed the established procedure in this regard. Therefore, the statement made by the domestic industry is a devoid of any merit.
44. In respect of the issue relating to prospective POI and normal value, the issue was discussed while issuing the Disclosure Statement and the same has also been recorded in the findings. It has also been stated that issue of minimum quantities and circumvention has not been addressed. In this regard, the Authority notes that without legal backing, it is not possible to insist on minimum requirement of the quantity. About the circumvention, the law would take its own course in case the circumvention comes to notice of the enforcement agencies.

835 58708-8

**METHODOLOGY FOR DETERMINATION OF NORMAL VALUE,
EXPORT PRICE AND CALCULATION OF DUMPING MARGIN:**

Views of Domestic Industry

45. The China is a 'non-market economy country' and has been treated as such in the original investigation. The Designated Authority cannot grant any individual normal value in view of the interpretation resorted to by the Designated Authority in Reliance Industries case.

46. In view of the decision of Hon'ble Supreme Court in the case of RIL Vs. Designated Authority, there can be only one normal value for each country. An exporter-specific normal value cannot be determined and, therefore, there is no question of invoking Rule 8(3). The authority may take only the normal value, which has been established for China in the original investigation as the same was operative during the period of investigation in the present case.

Views of exporter/producer(New shipper).

47. Views of appellant and opposing parties with regard to dumping have been noted in Annexure 1 to this disclosure.

Examination by the Authority

48. The Authority considers that normal value under the rules is defined as under:

9A(1)(c) "normal value", in relation to an article, means -

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or [territory to] an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

While it is evident that the Authority has to apply ordinary course of trade test, for which information on cost of production is vital, it is noted that the applicant during the process of investigation submitted details of the subject goods that are exported to India and that which are produced but not sold to India. During the investigation process, it was noted that M/s Guangdong Monalisa has significant domestic sales.

49. With regard to applicability of Hon'ble Supreme Court judgement in Reliance case in new shipper review cases for determination of normal value, the Authority notes that CESTAT in its judgement dated 27.08.2007 held that the observation of the Hon'ble Supreme Court in the Reliance case does not apply in the new shipper reviews under Rule 22.

50. The Designated Authority, as per para 8(2) of Annexure I of the AD Rules for the purpose of determination of Normal Value, proceeded with a presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economic country. In the past three years WTO members such as EU and USA have treated China PR as a non-market economy country in anti- dumping investigations. In the instance case, China PR has been proposed to be investigated as non-market economy Country.

51. The Authority sent market economy treatment (MET) questionnaires and exporters questionnaires to M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR (Producer) and Foshan Monalisa Industry Company Limited, China P.R. (Exporter). They filed the response in support of their claim of market economy treatment and requested for

determination of normal value as per para 1 to 6 of annexure-I of AD Rules on the basis of export of subject goods to countries other than India since there was no domestic sales of subject goods in their home market. In view of their claim of MET treatment, on-the-spot verification was carried out at the premises of the responding producer and exporter. The Chinese producer has claimed individual treatment on the grounds that they are operating under market economy condition irrespective of prevailing economy situation in the country without any direct or indirect State interference or influence in their business activity.

52. In anti-dumping investigations normal value concerning imports originating in China PR, shall be determined in accordance with para 7 & 8 of Annexure I of the AD Rules. The Authority notes that para 7 of Annexure 1 of AD Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

Further Para 8 of Annexure 1 of the AD Rules (as amended) provides that:

"8 (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph(3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economic country;

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)."

53. It is noted that the applicants furnished /evidences and information as mentioned in para 8 (3) of Annexure I of Anti Dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether

a) The decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate;

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

54. Detailed questions regarding ownership, management, control, determination of commercial and business policies and on financial situation etc. were addressed to the applicant. The responses filed by the new shipper were analyzed to determine whether the applicant exercised a degree of independence from the Chinese Government comparable to what would prevail in a market economy country. The applicant provided information in respect of M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR (Producer) and Foshan Monalisa Industry Company Limited, China P.R. (Exporter). The Authority sought general and certain specific information with regard to the following parameters from the applicants:-

- Ownership details
- Shareholding patterns
- Information on promoter/holding company/companies
- Constituents of Board of Directors, their legal status and person/party being represented by them.
- Raw Material Inputs and Costs

- Existence or otherwise of any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
- Production Facilities and Costs
- Loans and subsidies
- Barter Trade/ Counter Trade
- Profit Distribution
- Bankruptcy and property laws
- Exchange rates conversions

55. Verification at the premises of the applicants companies and its related companies was conducted from 29th September 2008 to 3rd October, 2008. The exporter was asked to provide complete details of all the companies in the group, including their present and past ownership, establishment date, product involved, the manner in which these companies were set up, source of funds, etc.

56. It was seen that the group has organized itself in such a manner that one company is undertaking responsibility for production, while others company undertaking exports. M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co. Ltd produces the materials and M/S Foshan Monalisa Industry Co. Ltd undertakes the exporting activities.

57. In order to examine whether there was any degree of State influence or interference over the allocation of resources and decisions of the applicant, whether directly or indirectly, the ownership pattern of the applicant was examined. The claims/ counter claims of the interested parties were taken into account and details in this respect were verified. The Authority examined the composition of Board of Directors of these companies, identity of persons in the Board, their functions, other position held by these persons etc. to determine whether there is any interference or involvement of the State in the management and working of the companies. The Authority relied upon the relevant provisions relating to constitution of Board of Directors, Board of Supervision, General Manager, their functions & powers, appointment & dismissal, autonomy of the company in matters of appointment etc and the role which State or State owned/controlled persons/bodies plays, if any, in such companies whether directly or indirectly.

58. It is found that the M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Co Limited, Foshan, China PR (Producer) and Foshan Monalsia Industry Company Limited, China P.R. (Exporter) are having common shareholding i.e, the shareholding are controlled by common set of persons. It was also found that employees of both the companies to a very great extent are interchangeably working for various companies to such an extent that

practically there appeared little difference. Both companies are to a great extent sharing common facilities. Though, there was no legal adjustment, the present set-up was undertaken because of the nature of shareholding, where common persons are controlling both related companies.

59. Verification of the information submitted concerning Market Economy Status and as contained in the response to Exporters Questionnaire has been conducted to cover the following aspects:-

- (a) Legal Structure of group companies (including all related companies).
- (b) Activities of group Companies and inter-linkage, if any.
- (c) To satisfy the test contained in the parameters listed in Annexure I (8) of Indian Anti Dumping Rules.
- (d) Operating structure of group companies (including all related companies).
- (e) Data/information submitted in response to the questionnaire.
- (f) Others Misc information called on the spot.

Legal structure of the applicants:

60. The Authority has verified legal structure of the applicant and it has been noted as under:

a) M/s. Nanhai City Qiaodang Ceramics Co. Limited was a state owned company, producing Vitrified Tiles and other tiles. The company was purchased by the management of M/s. Guangdong Monalisa Ceramics Company Limited in Oct., 1998. Simultaneously, M/s. Guangdong Monalisa Ceramics Company Limited was established in October 1998. However, the production and sale was brought under the books of Guangdong Monalisa Ceramics w.e.f. January, 2002. Between Oct., 1998 and January, 2002, the production and sales of subject goods were being accounted for in Nanhai City Qiaodang Ceramics Co. Ltd. Both Guangdong Monalisa Ceramics and Nanhai City Qiaodang Ceramics are related companies.

b) While purchasing the company in 1998, a valuation was conducted by a private party. A copy of the Valuation Report along with its English translation was provided. As per transfer agreement, out of the total transaction value of *** million RMB, *** million was paid immediately and remaining *** million has been paid in installment of *** million each. For the remaining amount, the liabilities and debts have been acquired.

c) In June 2000, the company decided to start exportation and for this purpose, a new company, M/s Foshan Monalisa was formed as export

arm of the Guangdong Monalisa (producer). It was explained that during that time, export licenses were given by the Government only to separate companies and not to producers. The new company, M/s Foshan Monalisa applied for export licenses, which was granted by the Government in December 2001 and after that company started export business. The basic aim of M/s Foshan Monalisa is to only perform the export function for the producer company and internal transfer of pricing of the product is in accordance with internal understanding and exigency of the two companies. M/s Foshan Monalisa, Export Arm of Producer Company does not make any domestic sales.

d) In September 2003, another new company was incorporated in the group named as Qingyuan City Huangma Ceramics Company Limited, the name of which has since been changed to Guangdong Qingyuan Monalisa Ceramics Co Limited in Jan 2006. This company is in production of ceramics tiles only.

e) Board of Directors is the highest body in company. The Board decides all important matters of the company. The important matters would be effective only after being approved by the Board of Directors in accordance to the rules are set out in Articles of Association of the company. There is neither any interference of the government nor any quantity restrictions on sales and production.

61. Financial Accounts: The company was found to be maintaining its accounts as per Generally Accepted Accounting Principles of China. The company maintains monthly profit & loss statement, which is required to file profit & loss statement along with VAT filing. The profit & loss statement for each of the months of the investigation period was examined and cross-verified with the profit & loss statement filed by the company along with its VAT return and a separate profitability of the subject goods and other goods was determined. On examination of records it was found that the company was able to post profits on the subject goods. Accounts of the company are audited regularly by the Auditors and no adverse comments were found in their Auditor Report with regard to the accounting practices followed by the company.

62. Selling Price: The issue of selling price determination has been examined. It was found that Guangdong Monalisa Ceramic Company Ltd has been selling the subject goods in the domestic market and freely decides regarding the output and sales depending upon market demand and nothing adverse had been found in this regard from their records. The Authority notes that the entire export sales to India were effected by M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd. (exporter). No evidence of possible role

of State in determination of domestic or export price could be found. It is found that there are variations in prices depends upon customer, volume, type of product involved etc. It was explained by the company that there is no price list either for domestic or export sales as it varies from customer to customer which entirely depends on demand and supply position in the market.

63. The Authority noted that the company maintains proper records for various costs elements, which are necessary to determine the cost of production for different type and size of product. The cost of production is determined having regard to principles of cost accounting which appeared reasonable and sufficient considering the nature of product and the production process. The company maintains actual cost. Further cost of production varies from month to month due to movement in prices of raw material, utilities and other factors.

64. Raw Materials: It was claimed that the raw materials were purchased from the open market and State was not involved directly or indirectly either in procurement or pricing of raw materials. It was also claimed that major suppliers of major raw materials were neither related with the applicant companies nor State owned enterprises. The company does not have any long-term contract with regard to any raw material supplier. Further, material is being sourced from a number of suppliers, including for sand, chemicals, packing material etc. It was found that the company has maintained wider choice of raw material suppliers and is making efforts to get better prices.

65. Electricity: It is noted that the company procured electricity from State owned company M/s. Guangdong Power Network Company Foshan Nanhai Power Supply Bureau. Since electricity procurement was from State owned enterprises, the Authority examined the tariff rates at which the company was getting electricity. Sample invoices were collected and tariff paid by the company was ascertained. It was found that the electricity have been charged according to the consumption pattern and the prevailing prices charged by the concerned electricity supply company. It was also seen that the price charged by the supplier is different in different time legs like for peak hours, price per unit is higher than non-peak hours.

66. The exchange rate conversions were also verified from their books of accounts and found that the export remittances were converted into the Chinese currency as per the exchange rate prevailing on the date of transaction. During the verification visit the export invoices were verified to see whether the realized amounts are credited into their books of accounts. The Authority observed that exchange conversions have taken place at the existing rate, which was more or less stable. As regard the

submission made by the domestic industry on under valuation of Chinese Currency, no positive evidence has been provided.

67. As regards engaging labours, the company claimed that they took all employment decisions. There is full freedom to the company with regard to its mode of hiring employees and they can be fired also on a very short notice. The terms of engagement of labour were generally governed by the labour contract entered between the company and the employee. They claimed that the Chinese Government did not provide any benefit like housing, medical care etc. However, the company provided accommodation and the cost of the same was reflected in the books of accounts as an expense. Salary was paid every month, which includes basic pay, and incentive for good work, however, deductions were found to be claimed in respect of insurance and income tax.

68. The bankruptcy and property laws were examined and found that the company is free to acquire property. The company claimed that bankruptcy law is applicable to a firm when a firm becomes bankrupt and the details regarding the settlement of the dues is governed by law maintained under bankruptcy law. No evidence of any violation of bankruptcy law of China and property law of China were found during the course of the verification.

69. Finance expenses: At the time of takeover of production facilities, Guangdong Monalisa Ceramic Company Ltd has 6 production lines, which had capacity to produce about 5 million SQM of vitrified tiles. Subsequently 3 more lines were added by the company, for which loans have been taken over from the banks as per standard market conditions. The loans are at prevailing market rate of interest and no preferential treatment to the company by the bankers were observed.

70. Output – Production: It was verified whether there is any control or interference by the government relating to production. It was found that the company produces the subject goods as per market demand and supply requirement. It has been clarified that the company produces various sizes and series as per demand and supply in the market. It has been seen that there is no control over production by the State. The company can increase the capacity and production as per requirement and market situation. The company is free to produce any size and type as per requirement and there is no direction or control of the government.

71. Sales Volume: It was verified whether the company is free to sell the product in desired volume in the market at price the company can fetch in the market or there was any direct or indirect, explicit or implicit government interference in this regard. It was clarified that the company sells its product in the market at its own price and there is no control of

State of provincial government in this regard. Nothing contrary to this claim was observed during verification. Analysis of Appendix 1 for the product under consideration shows that the company is selling product concern in the domestic market to various customers as per market forces and there is no role of state or provincial government. Further analysis has been done with regard to each size, which shows that the company is selling various sizes and series of product concern as per demand.

72. Following further parameters were verified:

- (i) Depreciation of assets – Depreciation accounting of the company was verified and It was found that the company is depreciating its assets, which appeared consistent with GAAP. Depreciation is being charged in the books as per policy and it is being applied consistently. The company is charging depreciation on all assets booked in the accounts. Depreciation is found to be a part of cost of production.
- (ii) Write offs: It is found that the company follows write off policy for damaged assets and bad debts.
- (iii) Barter trade: No evidence of any type of barter trade was found during the course of the verification. The books of accounts of the company also did not show any indication of barter trade.
- (iv) Payment via compensation of debts – No evidence of payment via compensation of debts was found. The books of accounts of the company also did not show any indication of payment via compensation of debts.

NORMAL VALUE

73. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

74. The Authority sent exporter questionnaire to M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Company Limited. (Producer), Foshan Monalisa Industry Co. Ltd. (Exporter) and M/s Avacorp, Hong Kong (Exporter) for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A(1) (c) of the Custom Tariff Act. In response to the questionnaire the new shippers filed the information in exporter questionnaire. During the investigation period, material exported to India was produced by Guangdong Monalisa Ceramic Company Limited. The material has been exported through Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., China PR and Avacorp, Hong Kong. They have exported two sizes of a particular type of the subject goods to India during the period of investigation. The detailed information regarding the entire domestic sales of all sizes/ types of the subject goods in their home market has been provided. The applicants have also provided break up of costs of production of all the sizes/modesl/types of the subject goods that have been produced during the period of investigation. The transaction wise domestic sales were verified from their records during the course of on the spot verification. The element wise cost of production was also verified and reconciled from the books of account maintained by the company. The Authority found the domestic sales have been made to unrelated parties and the same has been adopted for determination of normal value. An analysis of the profit and loss account of the company shows that the company has made an overall profit on the sale of subject goods during the period of investigation and calendar year. The Normal Value based on domestic sales has been determined after considering the volume of sales above per unit cost (applying 80/20 test) so as to determine that these sales are in the ordinary course of trade. For the models/types of vitrified tiles exported to India and sold in the domestic market the weighted average ex factory domestic sales realization for profitable transactions is proposed to be considered for arriving at the normal value as loss making transactions were found to be more than 20% of the sales in the domestic market.

75. As indicated above the company has exported different models/types of two sizes of Vitrified Tiles to India during the period of investigation. Based on the methodology explained above size wise/

model/type wise, ex-factory, normal value for these models/ types of Vitrified Tiles is determined as :

Size	Series	Normal Value USD/ Sq. Mtr.
600X1200	Soluble salt	***
800X800	Soluble salt	***

EXPORT PRICE:

76. In response to the questionnaire, the exporter has furnished invoice-wise/ size-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporter has also furnished copies of invoices in support of the same. Adjustment as claimed by the exporter in Appendix-3 have been considered based on verified data and are proposed to be allowed to arrive at the ex-factory export price to India. The sales of the goods from M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Company Limited. (Producer), to Foshan Monalisa Industry Co. Ltd were verified from their original records. The exports to India are made by Foshan Monalisa Industry Co. Ltd through Avacorp, Hong Kong, to Indian customers were verified and reconciled along with the adjustments claimed by them. Details regarding their claim of adjustments were verified during the course of verification from the records maintained by the company. It was found that the aggregate amount of the export sales has been realized vide Bank advice. Export price has been determined separately for each type of tile exported to India. The export price accordingly has been worked out as under:

		Ex-factory Export Price
		USD/Sq. Mtr.
600X1200	Soluble salt	***
800X800	Soluble salt	***

77. Considering the normal value and export price as determined above, dumping margin has been determined as under. It has been found that the exporter has exported the subject goods above its Normal Value and hence the dumping margin has been determined as negative.

Exports and Dumping Margin

		USD/Sq. Mtr.			
Exports		Ex-factory EP	Normal Value	Dumping Margin	Dumping Margin(%)
600X1200	Soluble salt	***	***	***	***
800X800	Soluble salt	***	***	***	***
Weighted average DM					-4.87%

Final Findings and Recommendations of the Authority

78. After considering the foregoing the Authority concludes that

i) Export price of Vitrified/porcelain Tiles exported to India produced by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Company Limited, Foshan, China and exported by M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., Foshan, China and M/s Avacorp, Hong Kong is above its normal value during the period of investigation.

ii) The Authority, therefore, recommends that no anti dumping duty be imposed on imports of Vitrified/porcelain Tiles falling under Chapter 69 of the Custom Tariff Act, 1975 produced by M/s. Guangdong Monalisa Ceramic Company Limited, Foshan, China and exported by M/s Foshan Monalisa Industry Co. Ltd., Foshan, China and M/s Avacorp, Hong Kong.

iii) An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority